

एक नजर

राज्य में आज बारिश की संभावना

रॉची। राज्य के कई हिस्सों में 25 मार्च को बारिश होने की संभावना है। इससे राज्यवासियों की होली में इस बार खलल पड़ सकती है। राज्य के उत्तरी, दक्षिणी और मध्य हिस्से में बारिश के साथ ही तेज हवाएं चलने और वज्रपात के आसार हैं जबकि अधिकांश हिस्से में बादल छाए रहेंगे। मौसम विज्ञान केंद्र के मुताबिक, रॉची, रामगढ़, खुंटी, सरायकेला खरसावां, पूर्वी और पश्चिमी सिंहभूम, सिमडेगा, गुमला, देवघर, दुमका, धनबाद, जामताड़ा, गिरिडीह, पाकुड़ और साहेबगंज में बारिश होने की संभावना है। इसके साथ 26 से 30 मार्च तक राज्य में आंशिक बादल का असर देखा जायेगा। ऐसे में संभावना है कि इस बार होली खेलने में लोगों को खलल होगी। बारिश और बादल का असर राज्य में बना रहेगा। रॉची मौसम विभाग के वैज्ञानिक अभिषेक आनंद के अनुसार आने वाले दो दिनों के दौरान तापमान में छह डिग्री तक की वृद्धि होगी। इसके तीन दिनों के बाद तापमान में कोई वृद्धि नहीं होगी। ऐसे में आने वाले दिनों में लोगों को गर्मी का एहसास भी होगा लेकिन बादल और बारिश से लोगों को राहत मिलेगी। राजधानी रॉची की बात करें तो 25 से 30 मार्च तक बादल छाए रहने की संभावना व्यक्त की गयी है।

रॉची के रंगकर्मियों का होली मिलन समारोह



रॉची : रविवार को ऑड्रे हाउस परिसर में रॉची के रंग कर्मियों द्वारा होली मिलन समारोह का आयोजन किया गया। इसमें रॉची के करीब 100 रंग कर्मियों ने भाग लिया। सभी को अबीर गुलाल से सराबोर कर दिया गया। आयोजन में मां के गीत,भजन, गजल चर्चा आदि के माध्यम से बहुरंगी होली के बहुरंगी तेवर और बजरंगी मिजाज की प्रस्तुति हुई। इस भव्य आयोजन में सबसे बड़कर हिस्सा लिया। इस आयोजन में रॉची रंगमंच की तीन पीढ़ियों के रंग कर्मियों ने भाग लिया।रंगकर्मियों द्वारा अभिनय की प्रस्तुति में नृत्य का समावेश भी प्रस्तुत था। श्री कमल कुमार बोस, आशुतोष प्रसाद,सूरज खन्ना, सुकुमार मुखर्जी, अशोक गौड़, जयदीप सहाय, सौराह खन्ना, ओमप्रकाश संजय लाल, अनिल ठाकुर, शशिकला पौराणिक, रागिनी, नमिता, अंजू बरवा, दिव्या गुप्ता, मोनिका, कुमकुम गौड़, मुदुला प्रिया, रीना सहाय, शैलजा बाला, विनोद जायसवाल, के अलावा अनेकों रंगकर्मी उपस्थित थे। इस अवसर पर शशिकला पौराणिक का जनमदिन केक काटकर बड़े उल्लास से मनाया गया।

तालाब का निरीक्षण कर, जनता की समस्याओं से हुए अवगत



रॉची। राजधानी रॉची के आदित्य विक्रम जयसवाल ने रविवार को आदित्य विक्रम आपके द्वार कार्यक्रम के तहत चुटिया के हटिया तालाब में लगे जलकुंभी को लेकर निरीक्षण किया तथा लोगो की समस्याओं को सुना। आदित्य विक्रम जयसवाल ने कहा कि हटिया तालाब चुटिया क्षेत्र के लिए बहुत ही उपयोगी है, इसपे पाँच हजार से ज्यादा लोग निर्भर रहते हैं, मंडा पूजा के लिए पानी हटिया तालाब से ही जाता है। भगवान शिव जी का जलाभिषेक भी हटिया तालाब के पानी से होता है, यह बहुत पवित्र माना जाता है और मंडा पूजा समीप है इसलिए जलकुंभी को जल्द से जल्द हटाने की आवश्यकता है। आये दिन पूरे तालाब में जलकुंभी की हो जाना चिंता बनका है। आदित्य विक्रम जयसवाल ने बताया कि अब आदित्य विक्रम आपके द्वार के तहत हर वार्ड में समस्या समाधान कैम्प लगाया जाएगा। आदित्य विक्रम ने माँग किया है कि, हटिया तालाब में जलकुंभी मामले में राज्य सरकार व रॉची नगर निगम जनहित में जल्द संज्ञान लें और जलकुंभी को साफ कराया जाए। मौके पर कुष्णा सहाय,संजीव महतो, अनिल सिंह, लालू सिंह, रवि नायक, संदीप रजक, राजू लोहरा,सबूर नायक, नीलकंठ नायक, दिलीप नायक, राजेंद्र नायक, दिलीप नायक, मदन नायक, अमर नायक, राजेंद्र राम, पिंटू राम, संजना देवी, शांति देवी, अनीता देवी, सोनी देवी, सोमतिथा देवी, रेणु देवी, देवती देवी,यसोधा देवी, बरखा देवी, सोनी देवी, जया देवी, मालती देवी, राखी देवी, महेश्वरी देवी, आनामिका कुमारी, बरखा देवी, सुपमा देवी आदि लोग मौजूद थे।

झारखंड जिम्नास्टिक्स की टीम ने जम्मू में लहराया परचम

रॉची/ (जम्मू) : जिम्नास्टिक्स फेडरेशन ऑफ इंडिया द्वारा 22 मार्च से जम्मू में आयोजित नेशनल एराबिक्स जिम्नास्टिक चैंपियनशिप में झारखण्ड टीम की खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए एराबिक्स जिम्नास्टिक में दो कांस्य पदक जीत कर जिम्नास्टिक में अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। ज्ञात हो झारखंड जिम्नास्टिक संघ की टीमें लगातार तीन वर्षों से इस प्रतियोगिता में भाग ले रही है और विगत वर्षों में चौथे एवं पांचवें स्थान पर रही? थीं। अपने पिछली उपलब्धियों को पीछे छोड़ते हुए जुनियर ऐरो डांस इवेंट में तृतीय स्थान तथा सीनियर पी-टाइट्स में भी तीसरा स्थान प्राप्त किया। इसके अतिरिक्त खिलाड़ियों ने अन्य प्रतियोगिता में भाग लेते हुये शानदार प्रदर्शन किया। इस प्रतियोगिता में झारखंड की 23 सदस्यों की टीम ने भाग लिया ।

खिलाड़ियों की सूची:- अमित गोप, राजवीर केरकेझा,सूरज केसरी, करण कुमार, राहुल टोप्पो, साहिल कच्छप, रोहित मुंडा, प्रिया यादव, नयन कच्छप,टोन्नु गोपाल, अनुराग कुमार, प्रिया कुमारी, सपना कुमारी, सृष्टि कुमारी राय, दशमी कुमारी, नेहा कुमारी, मुस्कान कुमारी, कंडा कुमारी,रुद्र कुमार,उज्ज्वल कुमार पॉडैट,रितु कुमारी, एवं प्रशिक्षक सह कप्तान पुरुष -विकास गोप, प्रशिक्षक सह कप्तान ,महिला -खुंटी। झारखंड टीम की इस दोहरी सफलता पर निदेशक,झारखंड कला एवं संस्कृति,खेल और युवा मामले श्री सुरांत गौरव, झारखंड ओलंपिक संघ के कार्यकारी अध्यक्ष, श्री शेखर बास,महासचिव श्री मधुकांत पाठक, कोषाध्यक्ष श्री शिवेन्द्र दुबे,जिला खेल पदाधिकारी, शिवेन्द्र कुमार सिंह तथा झारखंड जिम्नास्टिक संघ के कार्यकारी अध्यक्ष रंजन कुमार, उपाध्यक्ष , आशीष झा, आलोक मिश्रा , तुलिका श्रीवास्तव,श्री शशिकांत पाण्डेय,रितु कुमारी -निशिकांत पाठक, कार्यकारी सचिव राजीव रंजन, संयुक्त सचिव -श्री सरोज यादव, कोषाध्यक्ष गोविन्द झा,प्रशासनिक सचिव डॉ॰दीपक कुमार साहु, तथा झारखंड जिम्नास्टिक संघ के सभी संबद्ध जिला के पदाधिकारियों ने टीम को बधाई दी।

निर्वाचन आयोग के दिशा-निदेशों का शत-प्रतिशत अनुपालन सुनिश्चित कराएं: रवि कुमार

नवप्रदेश संवाददाता

रॉची। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के. रवि कुमार ने रविवार को कहा कि चुनाव प्रबंधन के संबंध में हरेक स्तर के लिए जिम्मेदारियां तय हैं। इसलिए निर्वाचन कार्य से जुड़े सभी पदाधिकारी, कर्मी भारत निर्वाचन आयोग के दिशा-निदेशों का शत- प्रतिशत अनुपालन सुनिश्चित करें। मतदान की तैयारी में कोई कसर नहीं रहनी चाहिए। जानकारी की कमी से कहीं भी मतदाताओं को परेशानी नहीं होनी चाहिए।

रवि कुमार ने कहा कि निर्वाचन संचालन के संबंध में भारत निर्वाचन आयोग ने बीएलओ से लेकर निचाई पदाधिकारी तक के लिए स्पष्ट प्रावधान किए हैं। इसलिए किसी भी स्तर पर लापरवाही नहीं होनी चाहिए। किसी भी स्तर पर शिथिलता की कोई गुंजाइश नहीं होनी चाहिए। ऐसे किसी भी शिकायत पाए जाने पर संबंधित पदाधिकारी जिम्मेदार

भारत के हर नागरिक और संस्था के लिए आयकर नियम बराबर: भानु प्रताप

नवप्रदेश संवाददाता

रॉची। भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष एवं भवनाथपुर विधायक भानु प्रताप शाही ने कहा कि भारत के हर नागरिक और संस्था के लिए आयकर नियम बराबर हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस घोटालेबाज पार्टी है, जो अपने घोटाले पकड़ें जाने पर केंद्र सरकार, भाजपा और आयकर विभाग को कटघरे में खड़ा करके झूठी बातें करती है लेकिन न्यायालय में आने बचाव के लिए दलील पेश नहीं कर पाती है।

भानु प्रताप शाही ने रविवार को भाजपा प्रदेश कार्यालय आयोजित पत्रकार वार्ता में कहा कि आयकर विभाग ने डिफॉल्टर होने के कारण कांग्रेस की बकाया टैक्स राशि 115 करोड़ के प्रयोग पर ही रोक लगाई गई है, न कि बैंक

परंपरागत झंडा को प्रत्येक मुंडा घर में लगाने का निर्णय

अनगड़ा। भारत मुंडा समाज अनगड़ा कार्यकारिणी की बैठक अनगड़ा डाक बंगला में अध्यक्ष रिड्डुवा मुण्डा के अध्यक्षता में हुआ। संचालन संगठन सचिव सत्येन्द्र मुंडा ने किया। बैठक में फगुआ मनाने एवं प्राकृतिक महापर्व सरहूल से पहले मुंडाओं का परंपरागत झंडा को हर मुंडा घर में लगाने का निर्णय लिया गया,ताकि मुंडाओं की पहचान उनके द्वारा बनाए गए व्यवस्था आने वाली पीढ़ी को भी सीखने का और आगे ले जाने के लिए सहयोग मिलेगा साथ ही सरहूल महापर्व से पहले पाहनों को अपनी परंपरागत व्यवस्था के साथ जोड़ना और पूजा पद्धति को सीखने का निर्णय लिया गया है । समाज के प्रदेश उपाध्यक्ष प्रोफेसर सत्येव्य मुण्डा ने झारखंड में फगुआ मनाने की पद्धति और कहानी से अवगत कराया। बैठक को रोशन मुंडा, राजेश पहान,मधुसूदन मुंडा,देवनाथ पहान,रतिलाल मुंडा, राजदेव पहान,किशोर मुंडा,सोहन मुंडा,मुन्ना मुंडा,हरदयाल मुंडा, सदस्य रामसाय मुंडा ने भी संबोधित किए। मौके पर चरकु मुंडा,पुशनाथ मुंडा,महावीर मुंडा,धुमेश्वर मुंडा,पुना मुंडा,मनोज मुंडा,लोकनाथ पहान आदि उपस्थित थे।

गढ़वा में शराब ले जा रहे दो आरोपित गिरफ्तार

रॉची/गढ़वा। जिले के धुरकी थाना क्षेत्र में बोरा में भरकर शराब ले जा रहे दो आरोपितों को एफएसटी की टीम ने गिरफ्तार किया है। आरोपित में नगर उटारी का अभिषेक कुमार और महिलाओ का धनंजय सिंह शामिल हैं। पुलिस के अनुसार, रविवार सुबह एफएसटी टीम के साथ समन्वय बनाकर की गई छापेमारी में मैक डॉकवस के हॉफ 6 बोतल, इंपीरियल ब्लू के हॉफ 12 बोतल और गॉड फादर बीयर 24 बॉटल को जब्त किया गया। इस संबंध में सगमा बीडीओ सह एफएसटी टीम ने उत्पाद अधीक्षक को जानकारी दी है।

राज्य के आदिवासी समाज में होलिका दहन की जगह काटता फगुआ

रॉची(हि.स.)। राज्य का आदिवासी समाज अलग-अलग तरीकों से होली मनाता है। कहीं पानी से होली खेलने की परंपरा है तो कहीं फगुआ काटने की परंपरा है। होली प्रेम का त्योहार है। यह शिकवे दूर करने का भी त्योहार है। हालांकि, वक्त के साथ होली पर फैशन का रंग भी चढ़ा है। बड़े शहरों में मास्क, मॉडर्न पिचकारियां और गुलाल भरे पटाखे चलन में आ गये हैं। डीजे की धुन पर रेनवाटर डांस का कल्चर शुरू हो गया है।लेकिन गांव-देहात में आज भी गोबर, कीचड़, रंग और गुलाल ही नफरत मिटा रहे हैं। आदिवासी समाज में होली का त्योहार मनाने का चलन नहीं है लेकिन बदलते दौर के साथ आदिवासी समाज के लोग भी होली खेलने लगे हैं। हालांकि, खास



होंगे। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने कहा कि राज्य के जिन-जिन मतदान केंद्रों पर पूर्व के चुनाव में मतदान प्रतिशत कम रहा है, वैसे चिन्हित मतदान केंद्रों के क्षेत्र में डोर टू डोर सर्वे कराकर मतदाता सूची में मतदाताओं के नाम का मिलान करें। मतदाताओं की उदासीनता को दूर करने के लिए उन्हें जागरूक करें। साथ ही यदि मतदाताओं को पूर्व में यदि कोई असुविधा हुई हो, तो उसका तत्काल निराकरण करते हुए मतदाताओं को मतदान के लिए

प्रेरित करने के प्रयास किए जाने चाहिए।

रवि कुमार ने मतदाता सूची में नाम जोड़ने के लिए फॉर्म 6 प्राप्त करने की प्रक्रिया में गति लाने का सख्त निर्देश दिया। उन्होंने डोर टू डोर सर्वे के दौरान छूटे हुए मतदाताओं का नाम जोड़ने के लिए पंचायत/वार्ड स्तर पर उपलब्ध मानव संसाधन के बेहतर इस्तेमाल का निर्देश दिया। उन्होंने मतदान केन्द्र जागरूकता समूह एवं वॉलेंटियर को सक्रिय किए जाने पर भी बल दिया।

उल्लेखनीय है कि मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने पिछले दिनों विभिन्न लोकसभा क्षेत्रों के मतदान केन्द्रों का औचक निरीक्षण कर तैयारियों का जायजा लिया था। साथ ही स्थानीय लोगों से मिलकर संबंधित मतदान केन्द्रों के स्तर पर हुई गतिविधियों के बारे में जानकारी ली थी। इसी क्रम में आज रॉची जिले के सभी प्रखंड विकास पदाधिकारी एवं अंचल अधिकारियों को अपने-अपने क्षेत्रों में चुनाव को लेकर की गई तैयारियों के बारे में रिपोर्ट करने को

कहा गया था।

इस दौरान अपर मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी संदीप सिंह, अपर मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी नेहा अरोड़ा, रॉची के जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त राहुल कुमार सिन्हा, ओएसडी गोता चौब एवं रॉची जिले के प्रखंड विकास पदाधिकारी एवं अंचल अधिकारी उपस्थित थे।

इन तिथियों तक संग्रह किए जाएंगे फॉर्म 6

मतदाता सूची में नाम जोड़ने के लिए भारत निर्वाचन आयोग ने अलग-

किसी राजनीतिक दल को असहाय बनाकर चुनाव लड़ने में बाधा उत्पन्न करना निषिद्ध चुनाव नहीं: राजेश ठाकुर

नवप्रदेश संवाददाता

रॉची। कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष राजेश ठाकुर ने पार्टी के बैंक खातों को फ्रिज किए जाने का विरोध जताते हुए भाजपा और केंद्र सरकार पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने रविवार को कहा कि भारत पूरी दुनिया में लोकतंत्र के मूल्यों और आदर्शों के लिए जाना जाता है। किसी भी लोकतंत्र के लिए निषिद्ध चुनाव अनिवार्य होता है लेकिन किसी राजनीतिक दल को असहाय बनाकर चुनाव लड़ने में बाधा उत्पन्न करना प्री एंड फेयर इलेक्शन कभी नहीं कहा जा सकता। ठाकुर ने कहा कि यह केवल कांग्रेस पार्टी के खातों पर नरेन्द्र मोदी सरकार का हमला नहीं है, बल्कि भारत के लोकतंत्र पर हमला है। यदि प्रमुख विपक्षी पार्टी वित्तीय तौर पर पूरी तरीके से पंगु हो जाए, कोई कार्य नहीं कर सके, पब्लिसिटी पर पैसा नहीं खर्च कर सके, कैपेन पर पैसा नहीं खर्च कर सके, अपने कैंडिडेट को पैसे नहीं दे सके, तो फिर चुनाव किस बात का है। यदि हम लोग यह



काम भी नहीं कर सकते, तो किस प्रकार से लोकतंत्र जिंदा रहेगा और यह कैसा लोकतंत्र है। ठाकुर ने कहा कि हमलोग तो अपनी लड़ाई लड़ेंगे लेकिन ये सभी लोगों की भी लड़ाई है। मौडिया की भी लड़ाई है। देश की जनता की लड़ाई है। यदि आप हमें समर्थन नहीं करीं तो लोकतंत्र जिंदा नहीं रहेगा। ना आप रहेंगे और न हम रहेंगे। सिर्फ 14 लाख 40 हजार की वजह से हमारे ऊपर 210 करोड़ रुपये से भी अधिक की पेनाल्टी लगाई गयी है, ये कहां का लोकतंत्र है? उन्होंने कहा कि 2018 और 2024 के बीच भाजपा को कुल चुनावी बांड 16,518 करोड़ में से 8,252 करोड़ रुपये मिले। कांग्रेस पार्टी को केवल 1,950 करोड़ मिले और इसे भी फ्रीज कर दिया गया है।

चुनाव की नाइट ड्यूटी में लगे अधिकारियों-कर्मियों का पारिश्रमिक भत्ता बढ़ा

नवप्रदेश संवाददाता

रॉची। राज्य में लोकसभा चुनाव कराने के लिए आयोग दिन रात तैयारियों में जुटा है। चुनाव कार्य में ज्यादा से ज्यादा कर्मचारियों की भागीदारी बढ़ाने के लिए अलग भत्ता देने का भी प्रावधान किया जा रहा है। इसके महेंदजर चुनाव कार्य में नाइट ड्यूटी करने वाले अधिकारी-कर्मचारियों को दिए जाने वाले अतिरिक्त पारिश्रमिक भत्ता को बढ़ा दिया गया है। इस संबंध में मंत्रिमंडल निर्वाचन विभाग ने अधिसूचना जारी कर दिया है। इसके अनुसार कंज्यूमर प्रोडक्ट्स में हुई वृद्धि एवं सप्तम वेतन आयोग द्वारा संशोधित वेतनमान आदि को ध्यान में रखते हुए निर्वाचन कार्य में संलग्न पदाधिकारी-कर्मचारी को निर्धारित अवकाश के दिनों सहित सामान्य कार्यावधि में अधिक देर रात्रि तक काम करने के लिए



संशोधित पारिश्रमिक का भुगतान करने का निर्णय लिया गया है। पारिश्रमिक की राशि पाने वाले पदाधिकारियों-कर्मियों की पात्रता निर्धारण राज्य मुख्यालय स्तर पर मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी तथा जिला स्तर पर जिला निर्वाचन पदाधिकारी तय करेंगे। पारिश्रमिक राशि बैंक अकाउंट में सीधे भेजी जायेगी। प्रस्ताव पर मुख्यमंत्री के

अनुमोदन से हस्ताक्षर से आदेश जारी कर दिया गया है। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा निर्धारित अवधि के अंतर्गत आम, उप चुनाव का संपादन कराना अनिवार्य होता है। चुनाव कार्य में संलग्न पदाधिकारी कर्मी को सामान्य कार्य दिवस तथा अवकाश के दिन की देर रात्रि तक श्रमसाध्य पैतालिस से साठ दिनों की अवधि होती है। इस दौरान



पकवान बनाने का कोई चलन नहीं है। 'संथाल' समाज में बाहा पर्व मनाया जाता है। कहीं-कहीं होली के पहले तो कहीं होली के बाद इस पर्व को मनाया जाता है। इसे फूलों का पर्व भी कहा जाता है। गांव के लोग जाहेरथान नामक पूजास्थल में साल के फूल और पत्तों को कान में लगाकर पारंपरिक हथियारों की पूजा

करते हैं और बाद में पानी से होली खेलते हैं। यह अनूठी होली है। इसमें महिला और पुरुष अलग-अलग होली खेलते हैं। फिर पारंपरिक वस्त्र पहनकर नाच गान करते हैं, खुशियां मनाते हैं। यह पर्व प्रकृति से जुड़ा है। 'हो' आदिवासी बहुल सिंहभूम में उपर्रूम जुमुर पर्व मनाया जाता है। आमतौर पर इसे जनवरी माह में

मनाया जाता है। गांव में साल के वृक्ष के डाल की पूजा होती है। इसके बाद हो समाज के लोग एक जगह इकट्ठा होकर एक-दूसरे को अपना परिचय देते हैं। फिर नाच-गान करते हैं। यह पर्व संस्कृति से खुद को जोड़े रखने और आपस में पहचान कायम रखने का महत्व बताता है। 'उरांव' समाज में फगुआ काटने की प्रथा है। होली के एक दिन पहले पूर्णिमा की रात को सेमल की डाली जलाई जाती है। मान्यता है कि सारू पहाड़ स्थित सेमल के पेड़ पर दो गिद्धों का डेरा था, जो बच्चों को निवाला बना लेते थे। समाज के लोगों ने आराध्य से बचाने की परियाद की तो वह खुद आए और दोनों गिद्धों का वध किया। इसी वजह से सेमल की डाली को जलाकर समाज के लोग

जंगल में जाते हैं और यह देखते हैं कि उनके ईर्द-गिर्द किस तरह के पशु-पक्षी वास कर रहे हैं। लोहरदगा के सेनहा प्रखंड में है बरही चटकपुर गांव। यहां ढेला मार होली होती है। होलिका दहन के दिन पूजा के बाद गांव के मैदान में पुजारी एक खंभा गाड़ते हैं। दूसरे दिन उस खंभा को उखाड़ने और छूने की होड़ मच जाती है। दूसरी तरफ ऐसा करने से रोकने के लिए गांव के लोग मिट्टी के ढेरों की बरसात करने लगते हैं। मान्यता है कि ढेला मार होली के दौरान कोई चोटिल नहीं होता। अब इस ओखोही होली को देखने के लिए आसपास के गांव के लोग भी जुटने लगे हैं। कहा जाता है कि दामादों के लिए इस परंपरा की शुरुआत हुई थी।

होली पर 200 गरीब महिलाओ के बीच साडी के साथ अबीर गुलाल का वितरण
गरीबी की भी अच्छी होली हो इसका प्रयास करता रहूंगा : ओमशंकर गुप्ता



रातू। होली के पूर्व संध्या पर एक सादे समारोह में रविवार को ठाकुर बग़ीचा में समाजसेवी ओम शंकर गुप्ता ने क्षेत्र की दो सौ गरीब महिलाओ के बीच साडी,अबौर गुलाल का वितरण किया। साडी पाकर सभी बहुत खुश हुए। इस मौके पर ओमशंकर गुप्ता ने कहा कि होली रंगो का त्योहार है हम नही चाहते कि मेरे क्षेत्र का कोई परिवार होली में उदास रहे जिसके लिए मैने गरीब परिवार की महिलाओ के बीच साडी का वितरण किया जल्दी ही पुरूषो के लिए भी कुर्ता पायजामा की व्यवस्था करूंगा। ओमशंकर गुप्ता ने कहा की आने वाले दिनों मे मै जनता के सुख दुख में भागीदारी बन के यथासंभव मदद का प्रयास करता रहूंगा इसके बाद ओमशंकर गुप्ता ने सभी महिलाओ के बीच रंग अबौर का वितरण करते हुए उनका आशीर्वाद लिया। कार्यक्रम को सफल बनाने मे सुनेंदर साहु,अनिल ठाकुर,अर्जुन साहु, रवि साहु,दिनेश साहु,किशोर नायक ,रवि ठाकुर,शिवपुजन साहु,काली,शेखर सुमन,कृष्णा ठाकुर,लालमनी देवी,रंजू देवी,नीलू,पारो देवी ने महत्वपूर्ण भुमिका निभाई।

हुंडरू फॉल के होटल से डेढ़ लाख की चोरी

अनगड़ा। पर्यटन स्थल हुंडरू फॉल में शनिवार की रात अज्ञात चोरो ने मोहित होटल में चोरी की घटना को अंजाम दिया । चोर होटल के दरवाजा का ताला तोड़कर करीब 80,000 रूपए का कोल्ड ड्रिंक्स,एक टोकरी देशी मुर्गा व खाद्य सामग्री उठाकर अपने साथ ले गए।होटल मालिक संतोष प्रसाद ने बताया कि करीब डेढ़ लाख की संपत्ति की चोरी हुई है। बताया कि शनिवार शाम में वे दुकान बंद कर अपने आवास हुंडरू गांव चले गए थे। रविवार की सुबह उनका पुत्र अॉकित कुमार दुकान खोलने पहुंचा तो दरवाजा का ताला टूटा हुआ है । इस मामले को लेकर सिकिंदिरी थाना मे अज्ञात चोरों के खिलाफ मामला दर्ज कराई गई है। सिकिंदिरी थाना की पुलिस घटना स्थल पहुंचकर मामले की छानबीन कर रही है।

कुरमी महासभा का फगुआ मिलन समारोह आयोजित

अनगड़ा। झारखंड कुरमी महासभा के तत्वावधान में रविवार को हेंसल में पारिवारिक फगुआ मिलन समारोह का आयोजन किया गया। मौके पर लोगों ने एक दूसरे को रंग अबौर लगाकर फगुआ की शुभकामनाएं दी। अध्यक्षता सकलनाथ महतो व संचालन ज्योतिष महतो ने किया। मौके पर प्रदेश महासचिव कारीनाथ महतो, मोहन महतो, रामलाल महतो, रीता देवी, विमला देवी, बालकुमार महतो, रामेश्वर महतो, आतिश महतो, विष्णु महतो, रामवृक्ष महतो, धनेश्वर महतो, देवव्रत चौधरी, इंद्रनाथ महतो, बृजलाल महतो आदि उपस्थित थे।

जसपुरिया बीएड कॉलेज में श्रमिक भाईयों ने खेली होली



अनगड़ा। जसपुरिया बीएड कॉलेज बीसा में रविवार को होली की पूर्व संध्या पर महिला व पुरुष श्रमिकों ने होली खेली। सभी श्रमिकों ने कॉलेज के चेयरमेन जैलेन्द्र कुमार के साथ-साथ अन्य श्रमिकों को रंग-गुलाल लगाकर होली की शुभकानाएं दी। जैलेन्द्र कुमार ने सभी के बीच मिठाईयाँ बाँटकर उन्हे होली की बधाई देते हुए होली के महत्व पर प्रकाश डाला। इस मौके पर सभी श्रमिक व कॉलेज के कर्मचारी उपस्थित थे।

सड़क दुघटना में युवक की मौत

अनगड़ा। थाना क्षेत्र के बरवादाग में शनिवार की देर रात हुए एक सड़क दुघटना में एक युवक की मौत हो गई। बताया गया कि सोनाहातू के पुआदीरी निवासी युवक शनिवार की रात बाईक पर सवार होकर सिल्ली की तरफ जा रहा था, इसी दौरान बरवादाग तालाब के पास अनियंत्रित होकर बाईक समेत खेत में जा गिरा, ग्रामीणों के सहयोग से उसे रिम्स भेजा गया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

विधायक आवास में हुआ होली मिलन समारोह का आयोजन



खूंटी। तोरपा प्रखंड के ममरला स्थित विधायक आवास पर रविवार को होली मिलन समारोह का आयोजन किया गया। लोगों ने समारोह में एक दूसरे को गुलाल लगाकर होली की शुभकामनाएं दी। मौके पर विधायक कोचें मुंडा ने कहा कि होली सामाजिक समरसता तथा भाईचारा को बढ़ाता है। उन्होंने कहा कि सभी लोग मिलकर होली मनाएं। मौके पर संतोष जायसवाल, विनोद भगत, शशांक शेखर राय, दीपक तिग्गा, केशव कुमार, मुकेश गुप्ता, करण राजक, भगीरथ राय, बिनोद राय, लाल शिवनारायण शाहदेव आदि उपस्थित थे।

तोरपा में श्रद्धापूर्व मनाया गया खजूर पर्व



खूंटी। ईसाई धर्मावलंबियों ने रविवार को तोरपा प्रखंड के गिरजाघरों में खजूर पर्व(पाम संडे) मनाया। इस अवसर पर गिरजाघरों में विशेष प्रार्थना सभा आयोजित की गई और यीशु मसीह की कृप्त वाचा का वर्णन किया गया। ह्वायों में खजूर की डलिया लेकर लोगों ने कैरेल गाये। कोंटेंगसेरा स्थित संत पौलुस सीएफआई गिरजाघर में भी इस अवसर पर खजूर पर्व मनाया गया। इस अवसर पर प्रचारक प्रेमचंद कोनाग़्नी ने पवित्र मिससा अराधना करते हुए कहा कि दो हजार साल पहले प्रभु यीशु मसीह येश्शालम आये थे। तब उनका स्वागत राजा की तरह किया गया था। उनके स्वागत में लोगों ने पूरे रास्ते पर खजूर के पत्ते बिछाए थे। तभी से खजूर पर्व मनाया जाता है। उन्होंने कहा कि परमेश्वर की पूर्व योजना के अनुसार दो हजार साल पहले लोगो को प्रेम और सच्ची रह दिखाने वाले प्रभु यीशु मसीह को आनेवाले गुरुवार यानी गुड फ़्राइडे से एक दिन पूर्व ही रात को यीशु मसीह को कठुरपंथी धर्मगुरुओं को खुश करने के लिए पकड़वाया गया और, फ़िलातुस राज ने यीशु मसीह को गुड फ़्राइडे के दिन ही क़ूत्स पर लटकने की सजा सुनाई थी। अगले रविवार यानी ईस्टर के दिन यीशु मसीह जी उठे थे और कब्र से बाहर आकर अपने अनुयायियों के बीच पहुंच गये।

सोनिया और राहुल गांधी खुद को संविधान से ऊपर समझते हैं : अरुण

लोहरदगा(हि.स.) । भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता डॉ अरुण उरांव ने कहा कि कांग्रेस के अपने घोटाले पकड़े जाने पर केंद्र सरकार भाजपा एवं आयकर विभाग को कटघरे में खड़ा करके झूठी बातें कर रही है लेकिन न्यायालय में अपने बचाव के लिए दलील पेश नहीं कर पाती है। जबकि आयकर विभाग ने डिफाल्टर होने के कारण कांग्रेस की बकाया टैक्स राशि 115 करोड़ रुपए के प्रयोग पर रोक लगाई है ना कि बैंक अकाउंट को फ्रिज किया है। अपनी गलतियों को बताने के बजाय अपने खाते फ्रीज होने की तुलना लोकतंत्र की हत्या से करना देश का अपमान है। जबकि कांग्रेस ने 180000 करोड़ रुपया का कोरेला 176000 करोड़ का टू-जी स्पेक्ट्रम 3600 करोड़ का हेलीकॉप्टर



70000 करोड़ का कॉमनवेल्थ गेम्स और 5000 करोड़ का नेशनल हेराल्ड घोटाला किया है। अरुण उरांव रविवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि राहुल गांधी स्वयं चार्टर प्लेन में घूम रहे हैं। लेकिन कह रहे हैं कि कांग्रेस के पास ट्रेन में

आने जाने का भी पैसा नहीं है। सारे प्रावधानों की जानकारी होने के बावजूद कांग्रेस ने 14 लाख नगर चंदा लिया है और 105 करोड़ का टैक्स बकाया होने के बावजूद मात्र 2.5 करोड़ ही जमा कराया। कांग्रेस ने उस समय कोई प्रेस कॉन्फ्रेंस नहीं की कि हमारे साथ अन्याय हो रहा

है। क्योंकि कांग्रेस इस बात से सहमत थी कि 105 करोड़ रुपए का आयकर वैध है। आयकर मामले में हर न्यायालय और ट्रिब्यूनल का दरवाजा खटखटाया है लेकिन उन्हें हर जगह मुंह की खानी पड़ी है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के कई खाते संचालित हैं और कांग्रेस के पास

24 कुंडीय राष्ट्र चेतना जागरण गायत्री महायज्ञ का समापन

खूंटी(हि.स.)। मनुज देवता बने, बने यह धरती स्वर्ग समान, यही संकल्प हमारा जैसे युग गायन के साथ प्रारंभ हुए 24 कुंडीय गायत्री महायज्ञ का समापन पूर्णाहुति के साथ रविवार को हो गया। 21 मार्च को लगभग 1100 मंगल कलशधारी श्रद्धालु महिलाओं-युवतियों की भव्य कलश यात्रा के साथ प्रारंभ हुए चार दिवसीय महायज्ञ का आयोजन स्थानीय खूंटी क्लब में चल रहा था। शांतिकुंज हरिद्वार के तत्वावधान में आयोजित इस यज्ञीय कलश शोभायात्रा में हजारों की संख्या में लोगों ने भाग लेकर इसे ऐतिहासिक बना दिया। कार्यक्रम के दौरान यज्ञ



एवम हवन के साथ प्रातः कालीन यज्ञ हवन के साथ कई संस्कार कराये गये। इनमें गुरुदीक्षा, विद्यारंभ, पुंसवन, नामकरण, यज्ञोपवीत, मुंडन संस्कार आदि शामिल हैं। भी कराए गए।

साथ ही शाम में भव्य संगीतमय दीपयज्ञ का आयोजन किया गया, जिसमे सैकड़ों श्रद्धालुओं ने भाग लिया। महिलाएं अपने अपने घरों से थाल में दीप लेकर यज्ञस्थल पहुंची थीं। प्रज्ज्वलित कर दीप यज्ञ में

भाव आहुतियां डाली गईं। टोली नायक ने व्यक्ति निर्माण, परिवार निर्माण, सहित सफल दाम्पत्य जीवन के सूत्र जैसे कई प्रासंगिक विषयों पर प्रकाश डाला। कई पौराणिक कथाओं के समावेश के साथ दिए गए प्रवचन से उन्होंने उपस्थित लोगों के मानस पटल पर सकारात्मक प्रभाव डाला और लोगों से बुराईयों को छोड़कर विभाग को कटघरे में खड़ा कर जनता की आखों में धूल झांकने का प्रयास करती है। उन्होंने कहा कि आयकर विभाग की बकाया टैक्स राशि 115 करोड़ के प्रयोग पर ही रोक लगाई है, न कि बैंक अकाउंट को फ्रीज किया है। आयकर मामले में कांग्रेस द्वारा अपने खाते फ्रीज होने की तुलना लोकतंत्र की हत्या से करना, देश का अपमान है।

विधायक ने कहा कि सारे प्रावधानों की जानकारी होने के बावजूद कांग्रेस ने 14 लाख नगद चंदा लिया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने आयकर मामले में

श्रद्धा सरना समिति का 21 वर्षगांठ दो अप्रैल को

अनगड़ा। श्रद्धा सरना समिति गेतलसूद के सदस्यों की बैठक रविवार को बजरंग चौक स्थित सरना में हुई। इसकी अध्यक्षता सरना समिति के अध्यक्ष अजय उरांव ने की। बैठक में निर्णय हुआ कि दो अप्रैल को श्रद्धा सरना समिति का 21 वर्षगांठ, 10 अप्रैल को रूसा व 12 अप्रैल को सरहुल पूजा मनाया जाएगा। बैठक में मुख्य रूप से ग्राम प्रधान जितेन्द्र उरांव, सचिव दशरथ मुण्डा, कोषाध्यक्ष नीरज मुण्डा, बिट्टू उरांव, वीरेन्द्र मुण्डा, रविकिशोर उरांव, मनोज उरांव, रामचन्द्र उरांव, शनिचरवा उरांव, राहुल मुण्डा, रंजीत उरांव, बालू उरांव, मोहन उरांव, मनीषा देवी आदि उपस्थित थे।

पश्चिमी सिंहभूम में ट्रक ने बाइक को रौंदा, महिला सहित दो की मौत

पश्चिमी सिंहभूम(हि.स.)। रंची-चाईबासा मुख्य मार्ग एनएच-75 ई पर रविवार दोपहर तेज रफ्तार ट्रक ने बाइक को रौंद दिया, जिससे महिला सहित दो लोगों की मौत हो गई जबकि एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल है। घायल व्यक्ति को चक्रधरपुर अनुर्मंडल अस्पताल लाया गया, जहां उसकी स्थिति नाजुक बनी हुई है।



गंभीर रूप से घायल व्यक्ति को गंभीर अवस्था में चक्रधरपुर अनुर्मंडल अस्पताल भेजा। दुर्घटना में महिला समेत दो की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। मृतक चक्रधरपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत केरा गांव के रहने वाले हैं। पुलिस ने ट्रक को जब्त कर शवों को पोस्टमार्टम के लिए चाईबासा

भेज दिया है। जब ट्रक जमशेदपुर के एक टेकेदार का है, जो सरकारी राशन लेकर चक्रधरपुर आया था। वह अनाज को खाली कर के वापस जमशेदपुर जा रहा तभी घटना हुई। घटना के बाद ट्रक चालक मौके से फरार हो गया। फिलहाल, पुलिस घटना की जांच-पड़ताल कर रही है।

सरना समाज की बैठक में सामाजिक और राजनीतिक मुद्दों पर विचार विमर्श

खूंटी(हि.स.)। अखिल भारतीय सरना समाज की रविवार को तोरपा प्रखंड के ममरला गांव में हुई बैठक में संगठन को मजबूत बनाने, प्रखंड स्तर पर सरहुल मनाने सहित विभिन्न मुद्दों को लेकर विचार विमर्श किया गया।

बैठक की अध्यक्षता रेड़ा मुंडा ने की। मौके पर लोकसभा चुनाव को लेकर भी चर्चा की गयी और संपूर्ण सरना समाज से अपील की गई की कि सभी सरना धर्मावलंबियों से भाजपा के पक्ष में मतदान करें। बैठक में विधायक कोचे मुंडा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आदिवासी समाज के विकास के लिए कटिबद्ध हैं। उन्होंने झारखंड के आदिवासी समाज के अर्जुन मुंडा को जनजातीय विभाग के अलावा केंद्र में कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय का भी कैबिनेट



मंत्री बनाकर जनजातीय समाज को सम्मान दिया। विधायक ने कहा कि अर्जुन मुंडा ने अपने कार्यकाल में जनजातीय समाज के विकास के लिए कई काम किये गये हैं। प्रत्येक प्रखंड में एकलव्य विद्यालय खोला गया है, जहां बच्चों को निःशुल्क शिक्षा मिल रही है। रेड़ा मुंडा ने कहा कि कुछ लोग अज्ञानतावश डिलिस्टिंग का विरोध कर रहे हैं।

डिलिस्टिंग सरना समाज के हित में है। कुछ लोग डिलिस्टिंग को लेकर भ्रम फैला रहे हैं। सरना समाज के लोगों को गांव-गांव जाकर उसके बारे में बताने की जरूरत है। बैठक में प्रखंड स्तरीय सरहुल मिलन समारोह आयोजित करने को लेकर विचार विमर्श किया गया। बैठक का संचालन घासीराय धान मुंडा ने किया।

खूंटी जिले में दो दिन मनाई जाएगी होली



खूंटी(हि.स.)। जिले में दो दिन मनाई जाएगी होली। कुछ जगहों पर सोमवार को तो कुद जगहों पर मंगलवार को होली मनाई जाएगी। इस संबंध में प्रणेश पंडित जी ने बताया कि रविवार को रात्रि 10.28 तक भद्रा है। भद्रा की समाप्ति के बाद 10.29 से 12.15 तक होलिका दहन का शुभ मुहूर्त है। उन्होंने बताया कि सोमवार को दिन के 11.31 तक पूर्णिमा तिथि है। उदया तिथि को मानने वाले मंगलवार को होली मनायेंगे।

उन्होंने कहा कि मंगलवार को होली मनाना ही शास्त्रसम्मत है। इधर कुछ लोगों का कहना है कि इस क्षेत्र में होलिका दहन फगुवा या संवत काटने की परंपरा है। संवत या फाग कटने के दूसरे दिन ही रंगीत्सव मनाने की सदियों पुरानी परंपरा है। इसलिए कुछ जगहों पर सोमवार को ही मनाई जायेगी। मुरहू प्रखंड के राजा कुंजला में होली को लेकर ग्राम अध्यक्ष काशीनाथ महतो की अध्यक्षता में ग्रामीणों की हुई बैठक में सोमवार को होली मनाने का निर्णय लिया गया।

आरा रोटी बैंक ने बच्चों के बीच बांटा रंग अबीर-गुलाल



नवप्रदेश प्रतिनिधि आरा: आरा रोटी बैंक के तत्वाधान में अनाइट मुसहर टोला आरा में जरूरतमंद बच्चों, बच्चियों, महिलाओं के बीच नया फ्रॉक,पैट शर्ट, पिचकारी, अबीर गुलाल,टोपी,मास्क आदि वितरित किया गया। इस अवसर पर संतोष सिंह भारद्वाज ने कहा आरा रोटी बैंक को आज जरूरतमंद बच्चो को सेवा करने का अवसर प्राप्त हुआ।आरा रोटी बैंक विगत पांच वर्षों से सामाजिक समानता से वंचित वर्ग के बच्चो के साथ होली मुहिम मनाता आ रहा है।बच्चों के बीच होली सामग्री वितरित किए जाने का मुख्य उदेश्य समाज में व्याप्त भेदभाव को मिटाना है जिससे बच्चो को भी बराबर समानता का अधिकार मिले।

संतोष सिंह भारद्वाज ने बच्चो को संबोधित करते हुए कहा कि बच्चो को मुख्य रूप से खूब खेलना,खूब खाना और खूब पढ़ना चाहिए जिससे समाज के ये बच्चे भी मुख्यधारा में शामिल हो इस प्रकार है समाज का सर्वांगीण विकास संभव है। अखौरी दीपक बिहारी ने कहा आरा रोटी बैंक विगत 5 वर्षों से सामाजिक कार्यों में ना सिर्फ सक्रिय है बल्कि आज नई आशा के साथ समन्वय के साथ आगे बढ़ रहा है और समाज में व्याप्त भेदभाव को मिटाने के लिए कटिबद्ध है। मुक्तिकांत ने बतलाया आज आरा रोटी बैंक परिवार के साथ समाज के हर वर्ग का समर्थन है और आरा के नवयुवकों में जुड़ने का सिलसिला अनवरत है जो कहीं न कहीं इंगित करता है आज का युवा सामाजिक कार्यों के प्रति जागरूक है।आरा रोटी बैंक का ये पांचवा होली मुहिम का बेमिसाल साल रहा। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में सोनाली देवा,मधुलिका पांडे,सुजाता,नेहा सिंह,हर्षिता श्रुति अग्रवाल,राकेश केशरी,राजीव रंजन,अभिषेक ओझा, रौशन सोनी, टोनु सोनी,मनीष, राजा, विशाल, यशवीर सिंह,, दीपू,रितेश साह, राहुल आनंद आदि ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। धन्यवाद ज्ञापन अभिषेक ओझा ने दिया

दुसाध जागृति एवं सांस्कृतिक चेतना मंच कार्यकारिणी बैठक सम्पन्न 4 अप्रैल को बाबा चौहरमल जयंती धूम धाम से मनाया जायेगा: संजय पासवान

नवप्रदेश प्रतिनिधि डेहरी : दुसाध जागृति संस्कृति चेतना मंच के अध्यक्ष संजय पासवान की अध्यक्षता में एनिकट में बने भव्य मंदिर बाबा चौहरमल धाम में कार्यक्रमिणी की बैठक रखी गई जिसमें 4 अप्रैल को जयंती मनाने और पूजा पाठ का कार्यक्रम रखा जाएगा जिसमें ज़िले के तमाम जन प्रतिनिधियों को धाम में बुलाने का निमंत्रण भेजा जाएगा वहीं शहर गाँव में जयंती को लेकर बड़े स्तर पे प्रचार प्रसार किया जाएगा ताकि अधिक से अधिक लोग शामिल हो शाम में सांस्कृतिक कार्यक्रम तथा बाबा चौहरमल के इतिहास व जीवनी के बारे में बताया जाएगा

देश में भाजपा को हराने के लिए प्रशांत किशोर ने बताया तीन सूत्री फार्मूला

नवप्रदेश प्रतिनिधि पटना : जन सुराज के सूत्रधार प्रशांत किशोर ने प्रेस वार्ता के दौरान भाजपा से जुड़े सवाल के जवाब में कहा कि देश के स्तर पर जब लोग पुछते हैं कि जो काम मैं पहले करता था कि भाजपा की जीत क्यों होती है? तो मैं बता दूँ कि भाजपा के जीतने के 4 प्रमुख कारण हैं। वो है विचारधारा, जिसको आप हिंदुत्व कहते हैं, दूसरा है नेशनलिज्म (राष्ट्रवाद), तीसरा है लाभार्थी और चौथा है उनकी अगिर्नाइजेशनल और फाइनैशियल ताकत। मैंने ये बताया कि अगर आपको भाजपा को हराना है तो किसी दल को, किसी नेता व

पत्रकार दीपक विश्वकर्मा की हत्या के षडयंत्र का सनसनीखेज खुलासा

पत्नी समेत चार गिरफ्तार

नवप्रदेश प्रतिनिधि

पटना/नालंदा। बिहार के नालंदा जिले के पत्रकार की हत्या का षडयंत्र का पुलिस ने चौकाने वाला खुलासा करते हुए मुजरिमों को गिरफ्तार किया है। एसआईटी की टीम ने पत्रकार दीपक विश्वकर्मा को गोली मारने के मामले में चार आरोपियों को गिरफ्तार भी कर लिया है। पुलिस ने बताया कि घटना को अंजाम देने के पीछे सबसे बड़ी मास्टमाइंड पत्रकार दीपक विश्वकर्मा की पत्नी ही स्वयं थी। पत्नी ने ही घटना का पूरा षड्यंत्र रचा और फिर इसे अंजाम दिया गया। पीडित की पत्नी रागनी पहले अपने पति को घूमने के लिए राजगीर ले गई और इसी दौरान 17 मार्च को वापस लौटते समय दीपनगर टोल प्लाजा के पास अपने प्रेमी को बुलाकर पति को गोली मरवा दी। डीएसपी सदर नरुल हक ने शनिवार को दीपनगर थाने में प्रेस कॉन्फ्रेंस करते पूरी घटना का खुलासा करते हुए



बताया कि रागनी का पहले से ही रहुई के रहने वाले एक अन्य युवक शशांक कुमार से प्रेम प्रसंग चल रहा था जिसके कारण दीपक विश्वकर्मा को रास्ते से हटाने के लिये उसने अपने प्रेमी के साथ मिलकर प्लानिंग की और फिर कर गोली मरवा दी। इस घटना में शामिल आरोपी पत्नी रागनी, शशांक कुमार, दीपक कुमार और साहिल कुमार को गिरफ्तार कर लिया गया है। इसके साथ ही

घटना में इस्तेमाल किये गए पिस्टल, 3 कारतूस और बाइक को भी जब्त कर लिया गया है।मिली जानकारी के अनुसार रागिनी पत्रकार दीपक विश्वकर्मा की दूसरी पत्नी थी और उसकी पहली पत्नी का निधन हो गया था। पत्नी के निधन के बाद उन्होंने रागनी से दूसरी शादी रचाई थी। बीते 17 मार्च को साजिश के तहत घूमने का बहाना करके पत्नी उन्हें राजगीर लेकर गई। इसी दौरान

आइसा और इनौस ने शहीद भगत सिंह, राजगुरु और सुखदेव का 94वां शहादत दिवस पर पुष्प अर्पित कर दिया श्रद्धांजलि



नवप्रदेश प्रतिनिधि बेतिया : भाकपा माले का युवा संगठन इंकलाबी नौजवान सभा और छात्र संगठन आइसा ने तीन लालटेन चौक सहित बगहा, मैनाटाड़, सिकटा में स्थित शहीदेआजम भगत सिंह के मुर्ति पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित किया। इस अवसर पर बेतिया में सभा को संबोधित करते हुए इंकलाबी नौजवान सभा जिला अध्यक्ष फरहान राजा ने कहा कि आज कॉरपोरेट सांप्रदायिक फासीवादी मोदी शासन को मिटा कर भगत सिंह के सपनों का धर्मनिरपेक्ष, समाजवादी, लोकतांत्रिक भारत बनाने का संकल्प लेने का वक्त है। शहीद-ए-आजम भगत सिंह भारतीय राष्ट्रवादी आंदोलन के सबसे प्रभावशाली युवा क्रांतिकारियों में से एक थे। उन्होंने मात्र 23 वर्ष की अल्प आयु में ही अपने साथियों के साथ देश के लिए प्राण न्योछावर कर दिया था।

इनौस जिला सचिव अफ़्ज़क अहमद ने कहा कि आज सांप्रदायिक ताकतों आजादी की लम्बी लड़ाई के बाद हासिल भारतीय संविधान को मोदी सरकार खत्म करने पर तुली हुई है। भाजपा नेता खुलमखुल्ला घोषणा कर रहे हैं कि 400 से सीट इस लिए जितना हैं क्योंकि संविधान बदलना है। इस लिए आज देश के युवा पीढ़ी को भाजपा को समाज और राजनीति से समाप्त करने का संकल्प लेने का वक्त है। आइसा जिला सचिव हसमत ने कहा कि भाजपा ने नई शिक्षा नीति 2020 लागू कर दलित गरीब, पिछड़ी जाति, आदिवासी, और अल्पसंख्यक के बच्चों को शिक्षा से बंचित करने का कानून बन गया है, शिक्षा से बंचित समुदाय को अपने अधिकारों को बचाने के लिए आगे आना होगा।

संजय यादव आदि नेताओं ने कहा कि भगत सिंह ने फासी पर चढ़ने से पहले अगाह किया था कि अगर भूरे अंग्रेज चले जाएँगे और उसके बदले काले अंग्रेज लोग शासन करने लगेगें आज यह सब भाजपा के शासन में खुलेआम दिखाई दे रहा है।, मोदी सरकार देश को कारपोरेटो के हाथ औने पौने दान में बेच रही है, नेताओं ने कहा कि शहीदेआजम भगत सिंह देश के इस हालात के लिए फासी पर नहीं झुले थे। इस लिए आज भाजपा से देश बचाने के लिए आगे बढ़ कर लोकसभा चुनाव को भी जन आंदोलन बनने का आह्वान किया। इस मौके पर संजय मुखिया, वीरेंद्र पासवान, संजय राम, अच्छे लाल राम, सीताराम राम, लक्ष्मण राम, परसुराम यादव, बिखारी प्रसाद, लालबाबू सोनी आदि नेताओं ने भी जगह जगह अपनी विचार को रख।

प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय ने की अलौकिक होली मिलन कार्यक्रम

नवप्रदेश प्रतिनिधि बेतिया : प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय के द्वारा आज प्रातः 8:00 बजे सोवा बाबू चौक, (केनरा बैंक की बिल्डिंग की फर्स्ट फ्लोर पर) अलौकिक होली स्नेह मिलन कार्यक्रम धूमधाम से मनाया गया। ब्रह्माकुमारी अंजना दीदी ने आए हुए सभी भाई बहनों को होली के आध्यात्मिक अर्थ को बताया कि होली माना पवित्र। परमात्मा पवित्रता का सागर है उनके पवित्र रंगों में हमें स्वयं को रंगना है। होली अर्थात बीती बातों को भूल जाना हमें पूर्व में घटित घटनाओं को नहीं याद करना चाहिए होली अर्थात मैं आत्मा प्रशांत होली। दीदी ने कहा कि हमें होली के अर्थों को जीवन में पूरे वर्ष के लिए



नवप्रदेश प्रतिनिधि बिक्रमगंज। इंटर विज्ञान संकाय में बिहार प्रदेश में टाप टेन और रोहतास जिला की टापर रही प्रखंड के उच्च माध्यमिक विद्यालय जमोड़ी के छात्रा सुदीक्षा मिश्रा को बीईओ बिक्रमगंज सुधीर कांत शर्मा ने सम्मानित किया। बीईओ छात्रा के घर प्रखंड क्षेत्र के घुसियां खुर्द जाकर उसे बुके, डायरी, कलम देकर सम्मानित किया। इस दौरान छात्रा का उत्साह बर्धन करते हुए जीवन में और आगे बढ़ने की शुभकामनाएं दी। इस दौरान छात्रा के पिता शिक्षक संजय मिश्रा, परिवार के अन्य सदस्य और काफी संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे।

प्रखंड टॉपर बने हिमांशु कुमार बधाइयों का लगा तांता



नवप्रदेश प्रतिनिधि काराकाट : इंटर का परिणाम राम रूप प्लस 2 हाई स्कूल गोडारी का छात्र हिमांशु कुमार ने इंटर आर्ट्स में 91.8 प्रतिशत अंक लाकर रोहतास जिला में अपना द्वितीय स्थान से परचम लहराया . काराकाट प्रखंड में टॉपर बना है. हिमांशु की इस उपलब्धि पर स्कूल के शिक्षकों सहित माता इंदु देवी तथा पिता विजय कुमार सिंह गर्वान्वित हैं .पिता ने बताया बताया कि हिमांशु शुरू से ही पढ़ने में मेधावी था.मैट्रिक बोर्ड की परीक्षा में भी वह विद्यालय में सबसे अधिक नंबर हासिल कर प्रखंड टॉपर बना था. हिमांशु प्रखंड के गम्हरिया गांव का रहने वाला है. गौरतलब हो कि हिमांशु गम्हरिया गांव के पूर्व सरपंच वीर बहादुर सिंह का भतीजा है. हिमांशु के पिता एक पुस्तक दुकान से परिवार का भरण - पोषण करते हैं. हालांकि हिमांशु के पिता विजय कुमार सिंह का भी बड़ा ही

दिलचस्प कहानी है. गोडारी बाजार पर कई वर्षों से किताब की दुकान चला रहे थे, फिर बीएससी शिक्षक का पहला फेज में ही फतेह हासिल कर 9वीं एवं 10वीं शिक्षक पद प्राप्त कर शिक्षक बन गये. बीडीओ राहुल कुमार सिंह ने ढेर सारी बधाई दिये . हिमांशु के घर पहुंच कर गुरुजन संजय साईंस से संजय सर, माईड स्ववायर इंग्लिश से अंकित सर, एडी कं्यूटर से आलोक सर मिठाई खिलाकर कर ढेरो बधाइयां दी.जबकि माईड स्ववायर के निदेशक अमित कुमार ने फोन कर बधाई देते हुए कहा कि लगन और मेहनत से मजिल मिलती है . सभी ने बधाई देते हुये उज्जवल भविष्य की कामना किया .हिमांशु ने बताया कि वह आईएएस बनकर देश को सशक्त बनाने में योगदान करना चाहता है. वह इस उपलब्धि में माता-पिता व गुरुजनों का सहयोग बताया।

एक नजर

मारवाड़ी समाज की महिलाओं ने किया होलिका पूजन



नवप्रदेश प्रतिनिधि डेहरी (रोहतास) : होलिका दहन से पूर्व रविवार को दोपहर में बिहार प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन शाखा डेहरी डालमियानगर के अध्यक्ष पवन झुनझुनवाला सहित मारवाड़ी समाज की महिलाओं ने पड़ाव मैदान में होलिका का विधिवत हवन-पूजन की। इस दौरान अध्यक्ष पवन झुनझुनवाला ने बताया कि होली बुराई पर अच्छाई की जीत का पर्व है। मारवाड़ी समुदाय में महिलाओं के लिए शादी के बाद की पहली होली बहुत खास होती है। पहली होली लड़की अपने मायके में मनाती है और गणगीर की पूजा करने के बाद ससुराल वापस आ जाती है। और परिवार के सुखी जीवन की कामना करती हैं। मारवाड़ी समाज के दंपती राजस्थानी पहनावे में होलिका दहन स्थल पहुंचते हैं। सभी के हाथ में पूजा की थाल, बड़कुला की माला, गोबर का बना ढाल, डंडे में बंधी होड़ा गेहूं की बाली होती है। आचार्य मंत्रोच्चार के साथ होलिका में अग्नि प्रज्वलित करते हैं। मौजूद श्रद्धालु प्रह्लाद की जय, बुराई पर अच्छाई की जय आदि जयकारे लगाते हैं। इसके बाद दंपति होलिका को गोबर की बनी बड़कुला की माला लगाते हैं। मान्यता के अनुसार महिलाएं अपने पति एवं पुत्र की लंबी आयु के लिए पूजा करती हैं। साथ ही अपनी मनोकामना पूरी होने के लिए इस दिन व्रत रखती हैं। मौके पर संत शर्मा वेद शर्मा दीपक शर्मा सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

होली का त्यौहार एवं रमजान को शांतिपुर माहौल में मनाने को लेकर फ्लैग मार्च निकाला गया



नवप्रदेश प्रतिनिधि सूर्यपुरा : पुलिस एवं प्रशासन के द्वारा रविवार की संध्या में फ्लैग मार्च निकाल होली का त्यौहार एवं रमजान को शांतिपूर्ण माहौल में मनाने को लेकर पूरे क्षेत्र में फ्लैग मार्च किया। फ्लैग मार्च का नेतृत्व बीडीओ वीणा पाणि एवं प्रशिक्षु डीएसपी सह थानाध्यक्ष ज्योति कुमारी के नेतृत्व में निकालकर थाना से चलकर क्षेत्र के पश्चिम टोला, उत्तर टोला,बलिहार, बारुन,नोनहर, डबरिया, श्रीकांतपुर, अमरेंद्र खुर्द,कुशमहरा, खडुआ, पवरा, टकनपुरा, के साथ ही कई अन्य गांव में फ्लैग मार्च निकाल कर शांतिपूर्ण माहौल में होली मनाने की लोगों से अपील की.मौके अपर थानाध्यक्ष प्रिया कुमारी, एसआई विजेंद्र कुमार राम, विमलेश कुमार, सांखिकी पदाधिकारी सत्येंद्र कुमार सिंह, बीपीआरओ अभय कुमार सिंह, के साथ ही थाना के दर्जनों महिला पुलिस व जवान तथा ग्रामीण पुलिस मौजूद रहे।

अनुमंडल अग्नि विभाग ने प्रचार प्रसार कर लोगों को किया जागरूक



नवप्रदेश प्रतिनिधि सूर्यपुरा : जिला समादेश के आदेशानुसार होली के त्यौहार के पूर्व होलिका दहन पर अग्नि आपदा से बचाव हेतु अनुमंडल अग्नि विभाग के द्वारा अनुमंडल सहित विभिन्न प्रखंडों में प्रचार प्रसार के माध्यम से लोगों को जागरूक किया. अग्नि चालक सुनील कुमार पासवान ने बताया कि स्थानीय प्रखंड के कई चट्टी - बाजारों पर पी ए सिस्टम के द्वारा रविवार को होलिका दहन से पूर्व ग्रामीण क्षेत्र के लोगों को जागरूक करते हुए कई बातों को बताया. होलिका दहन कार्यक्रम खुले स्थान में एवं विद्युत प्रवाहित तार के नीचे नहीं करें. वही आगे बताया कि होलिका दहन के समय ग्रामीण क्षेत्र के युवा एवं बच्चे विभिन्न प्रकार के कपड़े का गोला बनाकर केरोसिन एवं डीजल में भिगोकर होलरी भांज कर मनोरंजन करते हैं. जो आसपास के खेत खलिहानों में रखे मवेशियों के चार में असावधानी के कारण आग से जलकर खाक हो जाता है. जिसके लिए अग्निशमन विभाग ने ग्रामीण युवाओं को जागरूक करते हुए सावधानी के साथ होलिका दहन कर शांतिपूर्ण माहौल में होली का त्यौहार मनाने के लिए लोगों से अपील की. मौके पर अग्निक सिपाही क्रांति सिंह, अंबिका कुमारी, प्रियंका कुमारी के साथ ही अग्निशमन विभाग के पुलिस बल मौजूद थे.

कृष्ण ग्लोबल स्कूल में छात्रों के बीच होली मिलन समारोह



सहार। प्रखंड के कृष्ण ग्लोबल स्कूल राजदेव नगर पेरहाप में विद्यालय छात्रों के बीच होली मिलन समारोह का आयोजन किया गया है। आयोजन के दौरान विद्यालय छात्रों द्वारा तरह-तरह के कार्यक्रम की प्रस्तुत किए गए। कार्यक्रम के दौरान निदेशक सतीश शर्मा द्वारा विद्यालय संचालन समेत अन्य बिंदुओं पर चर्चा भी की गई। इस दौरान डायरेक्टर सतीश शर्मा प्रिंसिपल योगेंद्र सिंह मैनेजर विमलेश कुमार राजगीर शर्मा शिक्षक मिथिलेश राय नीरज राय कन्हैया यादव संभावनी तिवारी अंजलि तिवारी सुरजमोला कुमारी प्रीति कुमारी शालिनी प्रिया चांदनी कुमारी मोनिका देवी आरती करिश्मा कुमारी कल्पना कुमारी समेत अन्य छात्र-छात्र उपस्थित थे।

होली मिलन समारोह का हुआ आयोजन

नवप्रदेश प्रतिनिधि अगिआँव। प्रखंड के डिलिया पंचायत के बिसम्भरपुर गांव में राजकुमार सिंह के द्वार पर होली मिलन समारोह सह भोज का आयोजन कराया गया। इस आयोजन के दौरान फनुआ गावन प्रतियोगिता का भी भाव रूप से आयोजन किया गया। होली महोत्सव के दौरान एक दूसरे को अबीर गुलाल लगा होली की शुभकमनाएं दी। जिसमें राजकुमार सिंह (मंडल कोषाध्यक्ष भाजपा), पिंटू पंडित पेंक्स अध्यक्ष डिलीया , नंदकिशोर यादव पूर्व मुखिया डिलीया, मोे पेमूदीन सरपंच डिलीया, मोे अफरोज प ?व, मोे हसमुद्दीन, संजय सिंह, कमलेश सिंह, मनु सिंह, चंदन सिंह, गौतम सिंह, गोल्ड सिंह, राकेश पाल, रिट्ट सिंह, सुपारी सिंह, जितेंद्र, नागेंद्र, अंशु, सौरभ, रविजीत, रवि रंजन, राजाबाबू, अंकित, सुधीर, कुंदन, काशी यादव समेत अन्य ग्रामीण उपस्थित थे।

संपादकीय



विकृत न हो होली का स्वरूप

हमारा भारत एक पर्व प्रधान देश है। बारहों महीने छोटे-बड़े त्यौहार मनाए जाते हैं। व्यस्त जीवन शैली और भाग दौड़ के बीच ऐसे त्यौहार हमें आनंद की अनुभूति कराते हैं। हिन्दुओं के प्रमुख पर्वों में दीपावली के बाद होली दूसरा सबसे बड़ा पर्व है। वसंत के आगमन के प्रतीक होली पर्व को बुराई पर अच्छाई की जीत के रूप में भी देखा जाता है। यह इन्द्र धनुषी रंगों का पर्व सामाजिक समरसता का भी संदेश इते है। जिसमें छोटे बड़े,ऊंच नीच और अमीर-गरी के बीच कोई भेद नहीं रह जाता है। होली के दिन तो लोग पुराने गिले शिकवे भूलकर गले मिल जाते हैं और एक दूसरे को रंग गुलाल से रंग कर खुशी मनाते हैं। भारत में होली पर्व को कई देशों का प्रसिद्धिप्राप्त प्रचलित है। जिसमें प्रमुख है भक्त प्रहलाद की कहानी। हिरण्यकश्यप नामक दैत्य के यहाँ प्रहलाद का जन्म होता है, जो विष्णु भगवान का भक्त हो जाता है। यह बात उसके पिता को पसंद नहीं आती और वो अपने ही पुत्र भक्त प्रहलाद को जलाकर मारने के लिए अपनी बहन होलिका को इसका दूत बना लेता है। किंतु होलिका खुद जल जाती है और भक्त प्रहलाद बच जाते हैं। बाद में भगवान विष्णु नरसिंह अवतार लेकर हिरण्यकश्यप का वध करते हैं। इस तरह बुराई पर अच्छाई की जीत के साथ में होली पर्व प्राचीन काल से मनाया जा रहा है। अब तो होली पर्व दुनिया के कई देशों में भी पूरे उत्साह के साथ मनाया जाने लगा है। यह हम भारतीयों के लिए गर्व की बात है किंतु पिछले कुछ सालों से होली का स्वरूप विकृत होता जा रहा है। जो चिंता का विषय है। होली के दिन शराब के नशे में चूर लोग होली के नाम पर ऐसी हुड़डंग करते हैं कि सभ्य और सुसंस्कृत परिवार को इस पर्व के दिन अपने-अपने घरों में कैद रहना ही मुनासिब समझता है। होलिका दह के लिए हरे भरे पेड़ों की कटाई की जाती है और इसके लिए लोगों से जबरन चंदा वसूली करना और उन पैसों से नशा कर हुड़डंग मचाना आम बात हो गई है। इस तरह के कृत्यों से होली का स्वरूप विकृत होता जा रहा है। इसके पहले कि पानी सिर से ऊंचा हो जाए और होली के रंग फीके पड़ जाए होली को विकृत होने से बचाना जरूरी है। ताकि हमारे इस प्राचीन पर्व की गरिमा बनी रहे। शासन प्रशान होली पर्व को शांति पूर्वक मनाने की अपील करता है। इस पर्व के पूर्व हर थाना क्षेत्रों में शांति समिति की बैठक होती है। लोगों से पारस्परिक सद्भाव बनाए रखने का अनुरोध किया जाता है। आदतन अपराधियों की धर पकड़ भी की जाती है। इन तमाम प्रयासों के बावजूद होली पर्व के दौरान हिंसक घटनाएं होती है। नशे में भ्रुत लोग अप्रिय घटनाओं को अंजाम देते हैं। ऐसा भविष्य में न हो और होली पर्व की पावनता बनी रहे इसके लिए जागरूक सामाजिक संगठनों को भी आगे होना होगा। समवेत प्रयास से ही होली के स्वरूप को विकृत होने से बचाया जा सकता है। इस साल की होली शांति और सद्भाव से मने इसी मंगल कामना के साथ दैनिक नवप्रदेश परिवार की ओर से समस्त सुधि पाठकों और देशवासियों को होली पर्व की हार्दिक शुभकामनाएं

सामयिकी

होली के रंगों से आंखों को बचाएं

डॉ. महिन्द्र सिंह बापु

होली खेलते हुए आंखों में रंग चला जाना आम बात है। लेकिन इसके प्रति लापरवाही उम्र भर आपकी आँखों को खराब कर सकती है और आप इसका भारी खामियाजा भर सकते हैं क्योंकि इससे आंखों की रोशनी जा सकती है। होली खेलते समय ज्यादातर लोग अपनी त्वचा और बालों को लेकर काफी सतर्कता बरतते हैं लेकिन अपनी आंखों के प्रति लापरवाही कर बैठते हैं। होली खेलते समय अगर खराब केमिकल / रंग आपकी आँखों के अन्दर चला जाये तो यह आपकी आँखों की पुतलियों को नुकसान पहुंचा सकता है। इससे ग्लूकोमा, आंखों में सूखापन और नजर कमजोर हो सकती है। होली पर अगर आंखों में खराब केमिकल/ रंग चला जाए तो तत्काल कुछ उपाय करने से आँखों को होने वाले नुकसान से बचाया जा सकता है। होली पर अक्सर लोगों की आंखों में खराब केमिकल, गुलाल या रंग चला जाता है जिससे जलन होने लगती है और आंखों में पानी आने लगता है। अक्सर देखा जाता है कि लोग अपनी आंखों को तुरंत हाथों, रुमाल या टिश्यू से रगड़ने लगते हैं। ऐसा बिल्कुल नहीं करना चाहिए। इससे कॉर्निया में घर्षण हो सकता है और आंखों को नुकसान पहुंच सकता है। आख साफ करने के लिए इसके प्रयोग से बचें। आंखों को रगड़ने की वजह से रंग आंखों के अंदर तक फेल सकता है जिससे आंखें लाल हो सकती हैं। इससे आंखों में सूजन या संक्रमण की समस्या भी हो सकती। जितना संभव हो अपनी आंखों को रंगों से बचाकर रखना है। अगर आंखों में रंग चला जाए तो कॉर्टन के कपड़े की मदद से आंखों को साफ करें। आंखों की अच्छी और पूरी तरह से सफाई के लिए एक स्टैराबल आई वॉश सॉल्यूशन का उपयोग करें। आंखों में रंग चला जाए तो तुरंत राहत के लिए सादे पानी से आंखों को धो लेना चाहिए लेकिन ध्यान रखें कि पानी को आंखों में छिड़कने से पहले जरूरी है कि आप अपने हाथों को अच्छी तरह धो लें क्योंकि गन्दे हाथों से आंखों को धोने से हाथों की गन्दगी आंखों को नुकसान पहुंचा सकती है। आंखों को धोने के लिए हल्का ठंडा पानी का उपयोग कर सकते हैं। अगर हल्का ठंडा पानी उपलब्ध न हो तो सादे पानी का इस्तेमाल भी किया जा सकता है। साफ हाथों की मदद से आंखों को धोने से रंग आसानी से निकल जाता है। इसके लिए आप हथेली पर साफ ताजा पानी भरिये और इसमें आँखों को डुबो दीजिये और धीरे-धीरे पलकें झपकने का प्रयास कीजिये। इस प्रक्रिया को पांच-सात बार करने से आंखों में फैला रंग बाहर आ जाएगा। लेकिन आंखों पर पानी के छीटे मारने से बचें। इसके अलावा आपको गर्म पानी के इस्तेमाल से भी बचना चाहिए। आंखों को धोने के बाद भी अगर आंखों में हल्की जलन हो रही है तो इससे राहत पाने के लिए गुलाब जल की एक या दो बूंद आंखों में डाल सकते हैं। अगर गुलाब जल नहीं है तो आंखों में डालने वाला कोई बैसिक आई ड्रॉप भी डाल सकते हैं। आंखों से गुलाब जल या आई ड्रॉप डालने के बाद आंखों को खोलने की कोशिश करें। हालांकि इसमें थोड़ी मुश्किल होगी लेकिन धीरे-धीरे आंखें क्लीन हो जाएंगी। आँखों से रंग निकल जाए तो कढ़कूस किया हुआ खीरा कुछ देर के लिए अपनी बंद आंखों पर रखें। इससे आंखों को ठंडक मिलेगी और जलन कम होगी। होली के रंगों से अपनी आंखों को सुरक्षित रखने के लिए और सूखन की हानिकारक किरणों से अपनी आंखों को सुरक्षित रखने के लिए धूप के चश्मे पहनें। होली खेलते समय कॉन्टैक्ट लेंस पहनने से बचें क्योंकि यह आपकी आंखों की सहा पर फंस सकते हैं, जिससे आंखों में जलन या इन्फेक्शन हो सकती है। होली खेलने के लिए चश्मा पहनना ज्यादा सुरक्षित और

(लेखक, आयुर्वेदिक चिकित्सक और एमेरिटस प्रोफेसर हैं।)



डॉ श्रीगोपाल नारसन

होली खेलते समय आंखों में रंग जाना आम बात है लेकिन ये उतना ही घातक भी हो सकता है। रंग कृत्रिम या रसायन आधारित होंगे तो लेने के देने भी पड़ सकते हैं। बतौर प्राथमिक उपचार सर्वप्रथम आंखों को साफ पानी से धोया जाए और ये ध्यान रखा जाए कि आंखों को मसला ना जाए। साफ पानी से आख धोते वक्त छींटे भी जोर जोर से ना पड़ें। आंखों की साफ धुलाई होने के बाद आंखों में दो-दो बूंद गुलाब जल डालकर आंखों को बंद करके लेट जाएं।



योगेश कुमार गोयल

स्नान के बाद भी त्वचा पर खुजली या जलन महसूस हो तो गुलाब जल में गिलसरीन मिलाकर लगाएं। बालों से रंग छुड़ाने के लिए बालों को शैम्पू करें। स्नान के बाद आंखों में गुलाब जल डालें। होली खेलते समय यदि आंखों में रंग चला जाए अथवा आंखों में जलन महसूस हो तो आंखों को मलें नहीं बल्कि तुरंत नेत्र विशेषज्ञ से मिलें।

होली का इतिहास, परम्परा, हुल्लड़ व सावधानियां

बिहार में कुर्ता फाड़ होली भी खेली जाती है, जो विदेशों में भी काफी प्रसिद्ध है। लोग बताते हैं कि इस दिन के लिए खास तैयारी की जाती है। बाजार में स्पेशल कुर्ते बिकते हैं, जिनकी काफी डिमांड रहती है। यहां होलिका दहन की राख एक-दूसरे को लगाई जाती है, जिसे काफी शुभ माना जाता है। होली वाले दिन पहले गुलाल से सूखी होली खेली जाती है। इसके बाद पुरुष कुर्ता फाड़ होली खेलते हैं। वहीं मथुरा में लठमार होली तो उत्तराखंड में बैठकी होली की धूम है।

इतिहास बताता है कि होली के त्योहार को मनाने की शुरुआत बिहार के पूर्णिया जिले से हुई थी। माना जाता है कि पूर्णिया जिले के बनमनखी प्रखंड के सिकलीगढ़ में आज भी वह स्थान है, जहां होलिका अपने भाई हिरण्यकशिपु के कहने पर भक्त प्रह्लाद को गोद में लेकर जलती चिता पर बैठ गई थी। दावा किया जाता है कि पूर्णिया में ही वह खंभा भी मौजूद है, जहां भगवान विष्णु नरसिंह अवतार में प्रकट हुए थे। इसके बाद उन्होंने हिरण्यकशिपु का वध किया था। सिकलीगढ़ में हिरण्यकशिपु का किला था। यहीं पर भक्त प्रह्लाद रहते थे। स्थानीय बुजुर्गों की मानें तो पूर्णिया में आज भी उस काल के टीले मौजूद हैं। इसी दिन भोलेनाथ ने कामदेव को उनकी तपस्या भंग करने के प्रयास में भस्म कर दिया था। लेकिन देवी रति की प्रार्थना पर उन्होंने कामदेव को क्षमादान देकर पुनर्जन्म दिया। साथ ही रति को यह वरदान दिया कि वह श्रीकृष्ण के पुत्र रूप में जन्म लेंगीं। कामदेव के पुनर्जन्म और देवी रति को प्राप्त वरदान की खुशी में संपूर्ण विश्व में फूलों की वर्षा हुई। हर तरफ गुलाल उड़ाकर अतिथेत्सव मनाया गया। कहा जाता है कि यह तथेति बहुत प्रतिपदा थी। तब से ही इसे पर्व रूप में मनाया जाने लगा। बदलता स्वरूप रंगों और खुशियों का त्योहार होली अक्सर कई परिवारों के लिए बेरंग और दुखदायी हो जाता है। वजह है खतरनाक रासायनिक रंगों का दुष्प्रभाव। रंग-बिरंगे त्योहार की खुशियाँ हमारे दरवाजे पर दस्तक दे रही हैं। पुराने समय में होली और रंगों का संबंध सीधे प्रकृति से था, सादगी और सम-वय से था, आज इस त्योहार में अक्सर रंग में भंग होता देखा जा सकता है, वजहें अनेक हैं लेकिन रासायनिक घातक रंगों के दुष्प्रभावों के चलते सेहत की दुर्दशा तय है।



बाजार से खरीदे रंग रसायनों से भरपूर हो सकते हैं। इन रंगों का दुष्प्रभाव हमारी सेहत पर इतना ज्यादा हो सकता है कि जिसकी कल्पना करना मुश्किल है। त्वचा पर एलर्जी से लेकर आंखों की रोशनी छिन जाने और कैंसर जैसे भयावह रोग होने तक के प्रमाण मिल चुके हैं। ऐसे में रंगों के त्योहार स्फुग्गुआर को मनाना जी का जंजाल हो सकता है। रासायनिक रंग हमारे शरीर पर त्वचा रोग, एलर्जी पैदा करते हैं। दूसरी तरफ आँखों में खुजली, लालपन, अंधत्व के अलावा कई दर्दनाक परिणाम देते हैं। इन रंगों की धुलाई होने पर ये नालियों से बहते हुए बड़े नालों और नदियों तक प्रवेश कर जाते हैं और प्रदूषण के कारक बनते हैं। रसायनों से तैयार रंग जैसे काला, किडनी को प्रभावित करता है, हरा रंग आंखों में एलर्जी और कई बार नेत्रहीनता तक ले आता है, वहीं बैंगनी रासायनिक रंग अस्थमा और एलर्जी को जन्म देता है, सिल्वर रंग कैंसर कारक है तो लाल भी त्वचा पर कैंसर जैसे भयावह रोगों को जन्म देता है। कुल मिलाकर कहा जा सकता है कि रासायनिक हानिकारक रंगों का इस्तेमाल हम सबकी सेहत के लिए बेहद घातक हो सकता है। प्राकृतिक रंगों से मनाएँ होली होली बेशक मनायी जानी चाहिए लेकिन रंग प्राकृतिक हों और आपकी सेहत पर इनका दुष्प्रभाव ना हो तो रंग में भंग होने के बजाए

असली होली का मजा लिया जा सकेगा। हमारे पाठक चाहे तो अपने ही घर में प्राकृतिक रंगों को बना सकते हैं। किचन में ही उपलब्ध अनेक वनस्पतियों का उपयोग कर कई तरह के प्राकृतिक रंगों को बनाया जा सकता है। हरे सूखे रंग को तैयार करने के लिए हिना या मेहंदी का सूखा चूर्ण लिया जाए और इतनी ही मात्रा में कोई भी आटा मिला लिया जाए। सूखी मेहंदी चेहरे पर अपना रंग नहीं छोड़ती और इसके क्षणिक हरे रंग को आसानी से धोकर साफ किया जा सकता है। गुलाबी रंग तैयार करने के लिए एक बीट रूट या चुकन्दर लीजिए, बारीक टुकड़े करके एक लीटर पानी में डालकर पूरी एक रात के लिए रख दीजिए और सुबह गुलाबी रंग तैयार हो जाएगा। गुड़हल के खूब सारे ताजे लाल फूलों को एकत्र कर लें और छॉव में सुखा लें। बाद में इन्हें कुचलकर इनका पाउडर तैयार कर लें और इस तरह तैयार हो जाएगा सूखा लाल रंग। यह लाल रंग बालों के लिए जबरदस्त कंडीशनर होता है। साथ ही गुड़हल बालों के असमय पकने को रोकता है और बालों का रंग काला भी करता है।

इसी तरह पीला सूखा रंग तैयार करने के लिए हल्दी एक चम्मच और बेसन (2 चम्मच) को मिलाकर सूखा पीला रंग तैयार किया जाता है, ये पीला रंग ना सिर्फ आपकी होली रंगमुमा करेगा बल्कि चेहरा और संपूर्ण शरीर कातिमय

बनाने में मदद भी करेगा क्योंकि त्वचा की सुरक्षा के लिए हल्दी और बेसन के गुणों से आप सभी चिर परिचित हैं। बेसन की उपलब्धता ना होने पर गेहूं, चावल या मक्के के आटा का उपयोग किया जा सकता है। पीला तरल रंग तैयार करने के लिए 4 चम्मच हल्दी को एक लीटर पानी में डालकर उबाल लिया जाए और इसमें लगभग 50-75 पीले गेद के फूल डालकर रात भर डुबोकर रखा जाए, अगली सुबह हर्बल पीला तरल रंग तैयार रहेगा। फिर खोलिए खूब होली इस पीले रंग से। पीधे से प्राप्त रंग स्वास्थ्य के लिए उत्तम होने के साथ-साथ पर्यावरण मित्र भी होते हैं, इसके उपयोग से त्वचा पर किसी भी तरह की एलर्जी, संक्रमण या रोग नहीं होते हैं और तो और ये सेहत की बेहतरी में मदद करते हैं। होली खेलते समय आंखों में रंग जाना आम बात है लेकिन ये उतना ही घातक भी हो सकता है। रंग कृत्रिम या रसायन आधारित होंगे तो लेने के देने भी पड़ सकते हैं। बतौर प्राथमिक उपचार सर्वप्रथम आंखों को साफ पानी से धोया जाए और ये ध्यान रखा जाए कि आंखों को मसला ना जाए। साफ पानी से आंख धोते वक्त छींटे भी जोर जोर से ना पड़ें। आंखों की साफ धुलाई होने के बाद आंखों में दो-दो बूंद गुलाब जल डालकर आंखों को बंद करके लेट जाएं। यदि असर ज्यादा गहरा नहीं है तो कुछ देर में आराम मिल जाएगा। तेज जलन या लगातार आंखों से पानी टपकने की दशा में तुरंत अपने चिकित्सक से संपर्क करें। सबसे पहले तो रंगोत्सव मनाने से पहले अपने चेहरे और शरीर की त्वचा पर नारियल या सरसों का तेल लगा रखें। ये तेल त्वचा के छिद्रों में समा जाएगा और रासायनिक रंगों को शरीर के भीतर प्रवेश होने से रोकेगा। होली के दौरान सावधानी और साफ सफाई बरतने पर काफी बड़ तक संभावित होने से रोका जा सकता है। होली के दौरान आप साधारण फल, सब्दी, छींक या हल्के बुखार से पीड़ित हैं तो होली खेलने से परहेज करें। यदि आप स्वस्थ हैं और होली का आनंद भी लेना चाहते हैं तो कोशिश करें भीड़-भाड़ के इलाकों में ना जाएं। लेकिन होली की शुरुआत सबसे पहले कुल देवी-देवताओं को रंग चढ़ाकर करें। साथ ही, उन्हें गुँजिया का भोग भी लगायें। देव पूजन के बाद परिवार के सभी छोटे सदस्य अपने से बड़ों के पैरों पर रंग लगायें और आशीर्वाद लें।

(लेखक स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

आपसी भाईचारे और सद्भावना का संदेश देती है होली

खुशी और उत्साह का प्रतीक रंगों का पर्व होली न केवल सभी को रंगों से खेलने का अवसर प्रदान करता है बल्कि आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में परिवार और दोस्तों के साथ कुछ पल सुकून के साथ बिताने का समय भी प्रदान करता है। हमारे प्रत्येक त्योहार, व्रत, परम्परा और मान्यताओं में एक खास संदेश निहित है। होली भी हमारे जीवन में रंगीनयत भरते हुए उसे फिर से खुशियों से सराबोर करती है और खुलकर जीने का अहसास कराती है। यह पर्व आसुरी शक्तियों पर देवत्व की विजय का प्रतीक पर्व है, जो हमें नकारात्मकता को छोड़ सकरात्मकता को अपनाने हुए उसके संपन्न उत्सव मनाने का संदेश देता है। गिले-शिकवे भुलाकर खुशियां बांटने का पर्व है होली, इसलिए संबंधों को मजबूत बनाने और यदि किसी भी प्रकार की कड़वाहट चल रही है तो यह पर्व उसे भी भुलाकर पास आने का बेहतरीन अवसर प्रदान करता है। जीवन में खुशियों के रंग घोलता होली का त्योहार आपसी भाईचारे और सद्भावना का संदेश देता है।

रंगों के इस त्यौहार पर भला कौन ऐसा व्यक्ति होगा, जो आपसी द्वेषभाव भुलाकर रंग-बिरंगे रंगों में रंग जाना नहीं चाहेगा लेकिन रंगों का असली मजा भी तभी है, जब रंगों का रचनात्मक उपयोग किया जाए और होली खेलने के लिए भी केवल सुरक्षित और प्राकृतिक रंगों का ही उपयोग करें। दरअसल लोग एक-दूसरे पर रंग डालकर, गुलाल लगाकर अपनी खुशी का इजहार तो करते हैं लेकिन होली के दिन प्राकृतिक रंगों के बजाय चटकीले रासायनिक रंगों का बड़ता उपयोग चिंता का बड़ा कारण बनने लगा है। बाजार में बिकने वाले अधिकांश रंग अम्लीय



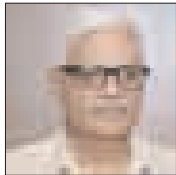
अथवा क्षारीय होते हैं, जो व्यावसायिक उद्देश्य से ही तैयार किए जाते हैं और थोड़ी सी मात्रा में पानी में मिलाने पर भी बहुत चटक रंग देते हैं, जिस कारण होली पर इनका उपयोग अंधाधुंध होता है। ऐसे रंगों का त्वचा पर बहुत हानिकारक प्रभाव पड़ता है। इसलिए बेहतर यही है कि या तो बाजार से अच्छी गुणवत्ता वाले हर्बल रंग-गुलाल ही खरीदें या इन्हें घर पर ही स्वयं तैयार करें। शुक्ल त्वचा वाले लोगों और खासकर महिलाओं तथा बच्चों को कोमल त्वचा पर अम्लीय रंगों का सर्वाधिक दुष्प्रभाव पड़ता है। अम्ल तथा क्षार के प्रभाव से त्वचा पर खुजलाहट होने लगती है और कुछ समय बाद छोटे-छोटे सफेद रंग के दाने त्वचा पर उभरने शुरू हो जाते हैं, जिन्हें मवाद भरना होता है। यदि तुरंत इसका सही उपचार कर लिया जाए तो ठीक, अन्यथा त्वचा संबंधी गंभीर बीमारियां भी पनप सकती हैं। घटिया क्वालिटी के बाजारू रंगों से एलर्जी, चर्म रोग, जलन, आंखों को नुकसान, सिरदर्द इत्यादि विभिन्न हानियां हो सकती हैं। कई बार होली पर बरती जाने वाली छोटी-छोटी असावधानियां भी जिंदगी भर का दर्द दे जाती हैं।

इसलिए यदि आप अपनी होली को खुशनुमा और यादगार बनाना चाहते हैं तो इन बातों पर अवश्य ध्यान दें। रासायनिक रंगों के स्थान पर प्राकृतिक रंगों का ही इस्तेमाल करें। ज्यादातर बाजारू रंगों में इंजन ऑयल तथा विभिन्न घातक केमिकल मिले होते हैं, जिनका त्वचा पर बहुत बुरा प्रभाव पड़ता है। होली खेलने से पहले चेहरे तथा पूरे शरीर पर सरसों अथवा नारियल का तेल या कोल्ड क्रीम लगाएं और रंग त्वचा के ऊपरी हिस्से पर ही रह जाएं। इससे होली खेलने के बाद त्वचा से रंग छुड़ाने में भी आसानी होगी। होली खेलने से पहले बालों में अच्छी तरह तेल लगा लें और नाखूनों के केन्टर ऑयल लगाएं ताकि बाद में रंग आसानी से छुड़ाना जा सके। होली खेलने जाने से पूर्व आंखों में गुलाब जल डालें और जहां तक संभव हो, आंखों पर चश्मा लगाकर होली खेलें ताकि रंगों का असर आंखों पर न पड़ सके। होली खेलने के तुरंत बाद स्नान अवश्य करें लेकिन त्वचा से रंग छुड़ाने के लिए कपड़े धोने के साबुन, मिट्टी के तेल, चूने के पानी, दही,

हल्दी इत्यादि का प्रयोग हानिकारक है। चेहरे पर लगे गुलाल को सूखे कपड़े से अच्छी तरह पोंछ लें और रंग लगा हो तो नारियल तेल में रूई डुबोकर अथवा कर्लीजिंग मिलक से हल्के हाथ से त्वचा पर लगा रंग साफ करें। रंग छुड़ाने के लिए नहाने के पानी में थोड़ी सी फिक्करी डाल लें और ठंडे पानी से ही स्नान करें। गर्म पानी से रंग और भी पक्के हो जाते हैं। डिटरजेंट सोप के बजाय नहाने के अच्छी क्वालिटी के साबुन का उपयोग किया जा सकता है। स्नान के बाद भी त्वचा पर खुजली या जलन महसूस हो तो गुलाब जल में ग्लिसरीन मिलाकर लगाएं। बालों से रंग छुड़ाने के लिए बालों को शैम्पू करें। स्नान के बाद आंखों में गुलाब जल डालें। होली खेलते समय यदि आंखों में रंग चला जाए अथवा आंखों में जलन महसूस हो तो आंखों को मलें नहीं बल्कि तुरंत नेत्र विशेषज्ञ से मिलें। महिलाएं होली खेलते समय मोले तथा ढीले-ढाले सूती तथा गहरे रंग के वस्त्र पहनें। सफेद अथवा हल्के रंग के वस्त्र पानी में भीगकर शरीर से चिपक जाते हैं, जिससे सार्वजनिक रूप से महिला को शर्मिन्दगी का सामना करना पड़ सकता है। होली के पावन पर्व के मौके पर ऐसा व्यवहार हरगिज न करें, जिससे आपके रिश्तेदारों, पवित्र के मित्रों अथवा अन्य पुरुषों को आपसे छेड़छाड़ करने का अनुचित अवसर मिल सके। अपना व्यवहार पूर्णतः संयमित, शालीन और मर्यादित रखें और सामने वाले की कोई गलत हरकत देखने के बाद भी उस पर मौन साधकर उसे और आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित न करें।

(लेखक, स्वतंत्र पत्रकार हैं।)

सामाजिक समरसता का उत्सव है होली



गिरीश्वरमिश्र

अपनी अस्मिता को छोड़ या उसका विस्तार कर बड़ी अस्मिता को अंगीकार करना सामाजिक परिवर्तन की शक्ति होता है। समानताओं की पहचान भी जरूरी है। हम सिर्फ एक दूसरे से भिन्न हैं यह कहना अधूरी बात होगी और असत्य भी क्योंकि हम सबमें व्यापक समानताएँ भी हैं।

भारतीय पर्व और उत्सव अक्सर प्रकृति के जीवन क्रम से जुड़े होते हैं। ऋतुओं के आने-जाने के साथ ही वे भी उपरिष्ठ होते रहते हैं। इसलिए भारत का लोकमानस उसके साथ विलक्षण संगति बिठाता चलता है जिसकी झलक गीत, नृत्य और संगीत की लोक-कलाओं और रीति-रिवाजों सबमें दिखती है। साझे की जिंदगी में आनंद की तलाश करने वाले समाज में ऐसा होना स्वाभाविक भी है। हमारा मूल स्वभाव तो यही सुझाता है कि हम प्रकृति में अवस्थित हैं और प्रकृति हममें स्पंदित है। थोड़ा विचार करें तो यह स्पष्ट हो जाता है कि हमारा अनेक्य उपहार, क्योंकि सारी तकनीकी प्रगति के बावजूद अभी तक जीवन का कोई विकल्प नहीं मिल सका है। यह अलग बात है कि प्रकृति या दूसरे आदिमियों के साथ रिश्तों को लेकर कृतज्ञता का भाव अब दुर्लभ होता जा रहा है। फगुन के महीने को पूर्णिमा से यह उत्सव पूरे भारत में शुरू होता है और बड़े उल्लास के साथ मनाया जाता है। होली का सामुदायिक उत्सव हमें अपने समग्र अस्तित्व को जाग्रत करने वाला होता है। वह हमें हमारे व्यापक अस्तित्व की याद दिलाता है। आज इस तरह की बात आसानी से हमारे ध्यान-पटल पर नहीं उतरतीं वहीं जिन विचारों, अनुभवों और भावनाओं को आपाधमी है,

जिनके बीच मारकाट मची हुई है, उनकी भीड़ में आज न प्रकृति को आँख भर निहारने की फुर्सत मिल रही है और न यह सच्चाई ही महसूस हो पा रही है कि हम मूलतः प्रकृति जीवी हैं। पर इस सच को नहीं झुठलाया जा सकता कि जीवन निरपेक्ष नहीं होता। प्रकृति है तो ही जीवन है। जल, पृथ्वी, आकाश, अग्नि और वायु जैसे तत्व जीवन के अनिवार्य प्राणदायी आधार-स्रोत हैं और आगे भी बने रहेंगे। प्रकृति माता है और हम सब पर प्रकृति का अकूत ऋण है। इस प्रकृति को चुनौती देती और उसे तबदील कर मानव निर्मित तकनीकी सबकुछ पर हावी हो रही है। नित्य बढ़ते तमाम दबावों के बीच दुबता-उतरता आज का आदमी अपने जीवन में तकनीकी के प्रवेश के साथ खुद अपनी प्रकृति या स्वभाव को बेगाना बनाता जा रहा है। उसका तकनीकजीवी बनता जा रहा मानस जीवन और प्रकृति के साथ अपने अटूट रिश्ते को भूलता-बिसराता जा रहा है। तकनीक के सहारे जीवन में तेजी, त्वरा और गति ने कुछ इस तरह प्रवेश किया है कि अब दिना-प्रतिदिन की जगह क्षण-प्रतिक्षण होने वाली उथल-पुथल का हिसाब रखने और उसको संभालते रहने की उतावली बनी रहती है। अब पग-पग पर तकनीकी की जरूरत पड़ रही है और तकनीक के बढ़ते दखल से



बेचैनी भी बढ़ रही है। जीवन की दौड़ में विराम, विश्राम और सुकून अब सपने में भी दूधर होता जा रहा है। हाँ, यह जरूर हुआ है कि अब दुःख-सुख, प्रेम-मोहब्बत और मान-मनोरंज जैसे भावनाओं का इजहार-इन्कार सब कुछ मानवीय संवेदना से दूर तकनीक के सुपुर्द होता जा रहा है। जीवन की गाड़ी उसी के भरौसे चल रही है। तकनीकीजीवी का जीवन आदमी का अपना जीवन नहीं होता है। वह टिका हुआ है सूचना के अनवरत प्रवाह पर। इसमें आगत से अधिक आनावा या ठीक से कहें तो जो आने वाला है या आ सकता है उसकी चिंता और भय वर्तमान को डंसे जा रहे हैं। इसलिए क्षण-प्रतिक्षण होने वाली उथल-पुथल का हिसाब रखने और उसको संभालते रहने की उतावली बनी रहती है। अब पग-पग पर तकनीकी की जरूरत पड़ रही है और तकनीक के बढ़ते दखल से

व्हाट्सएप देखने को बेताब रहते हैं और मोबाइल पर उनकी उंगली लगातार चलती रहती है। श्वास-प्रश्वास की तरह मोबाइल-संचालन हमारे जीवन का एक अहर्निश चलने वाला व्यापार होता जा रहा है। यह जरूर है कि इसमें एक किस्म की सृजनशीलता का भ्रम जरूर छिपा रहता है और लगता है कि हम कुछ कर रहे हैं। तकनीकी संलग्नता के बीच संवाद और संचार तो होता है पर इस उद्यम में अपनी सक्रियता देख-देख यह अहसास होने लगता है कि हम अपनी विशिष्टता और अद्वितीयता स्थापित कर रहे हैं। आधुनिक जीवन की यह विकट विडंबना है कि हम अपने अस्तित्व को सबसे विलग (डिस्टिक्ट) हो कर प्रमाणित करने का अभ्यास करने में लगे रहते हैं। वैयक्तिकता और निजता व्यक्ति के विकास की दिशा निर्धारित कर रहे हैं।

अपने आप को भिन्न दिखने-दिखाने की खाहिश या कहेँ असमत लगने की कामना हमें निपट अकेला करती जाती है। पर अकेलेपन की ओर धकेली जाती जिंदगी ज्यादा संतुष्टि और सुख नहीं दे पाती है। आज हम देख रहे हैं कि समायोजन न बैठ पाने के कारण इन स्थितियों की परिणति अवसाद और दुर्धृता आदि विभिन्न मनोरोगों के रूप में हो रही है। यही नहीं, विशिष्ट बनने के क्रम में दूसरों के साथ टकराव और प्रतिस्पर्धा भी अनिवार्य रूप से शुरू हो जाती है। प्रिय जनो और नातों-रिश्तों में आती दरारों से जुड़ी खबरें आए दिन अखबारों की सुर्खियों बन रही हैं। इससे जुड़ी घटनाओं में क्रूरता, अत्याचार, अपराध और हिंसा प्रमुख होते जा रहे हैं। जाहिर है दुर्दमम आकांक्षओं के सागे में जिंदगी जीने का यह नश्वरा आधा-अधुरा है और अपेक्षित रूप से फलदायी नहीं सिद्ध हो रहा है। पर आनंद की खोज की सिर्फ वही राह नहीं है। गौरतलब है कि मनुष्य समाज में पैदा होता है और उसी में पलता-बढ़ता भी है। सामाजिकता उसकी रंगों में बसी रहती है और सामाजिक जीवन प्रकृति के समानांतर चलने को तय रहता है। होली के दौरान उत्फुल्लता मन और वन दोनों में एक साथ निखर कर सामने आती है। वसंत का चरम उत्कर्ष तब होता है जब शीत काल की ठिठुरन

के दिन रुचिकर व्यंजन भी बनते हैं और परिजनो के साथ खान-पान का आनंद लेते हैं। संगीत और काव्य की दृष्टि से होली का अवसर सर्जनशीलता को आमंत्रित करता रहा है। सभी सबको एक रंग में रंगने को आतुर रहते हैं। सब को एक सा बनाने का प्रयोजन सौहार्द और निकटता की भावना को जगाना होता है। इसका एक अभिप्राय यह भी है कि हम उस अविभक्त अव्यय भाव को महसूस करें जो अव्यक्त हो कर सबके अंतर्मन में व्याप्त रहता है। अपनी-अपनी अस्मिताओं को बचाने और बनाने का उत्सव तो सब करते हैं पर उसे छोड़ कर व्यापक समष्टि की अस्मिता अपनाने का साहस दिलाना होली का प्रयोजन है। अपनी अस्मिता को छोड़ या उसका विस्तार कर बड़ी अस्मिता को अंगीकार करना सामाजिक परिवर्तन की शक्ति होता है। समानताओं की पहचान भी जरूरी है। हम सिर्फ एक दूसरे से भिन्न हैं यह कहना अधूरी बात होगी और असत्य भी क्योंकि हम सबमें व्यापक समानताएँ भी हैं। मनुष्यता भी इसीलिए जीवित है सभी किसी न किसी सीमा तक उस मनुष्यता से जुड़ रहे हैं। संकुचित और छद्म अस्मिताओं से ऊपर उठ कर देश और समाज की व्यापक अस्मिता का अंग बनते हुए ही हम उन्नति के पथ पर आगे बढ़ सकते हैं।

पीएम श्री योजना से पलामू के 26 स्कूल होंगे अपडेट

मेदिनीनगर पलामू/पलामू जिले के 26 पुराने स्कूलों को भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय ने पीएम-श्री योजना के तहत विकसित करने का प्रयास शुरू कर दिया गया है। इस योजना के तहत झारखंड में 325 स्कूलों का चयन किया गया है जिसमें सर्वाधिक 26 पलामू जिले से है। मेदिनीनगर से एकमात्र सुदना पश्चिमी स्थित कुम्हारटोली के राजकीय मध्य विद्यालय को चयनित किया गया है।

पीएम श्री योजना के तहत पलामू के चयनित विद्यालय पलामू जिले के कुल 2564 सरकारी स्कूलों में 26 का चयन पीएम श्री योजना के तहत + किया गया है। मेदिनीनगर शहर के मध्य विद्यालय कुम्हारटोली, सदर प्रखंड के महात्मा गांधी प्लस- 2 हाई स्कूल सरजा पोलपोल, विश्रामपुर के राजकीयकृत मध्य विद्यालय लालगढ़, कस्तूरबा गांधी

आवासीय विद्यालय विश्रामपुर, चैनपुर के अपग्रेडेड हाई स्कूल खुराकला, छतरपुर प्रखंड के कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय, अपग्रेडेड राजकीयकृत मध्य विद्यालय कचनपुर.

योजना का मुख्य उद्देश्य पुराने



स्कूलों को अपग्रेड करना झारखंड राज्य परियोजना के निदेशक आदित्य रंजन ने जिला शिक्षा पदाधिकारी को टीम गठित कर स्थलीय जांच कराकर अंतर की समीक्षा कर रिपोर्ट की मांग की है, ताकि बजट की तैयारी की जा सके।

समग्र शिक्षा अभियान के पलामू जिला कार्यालय में कार्यरत एडीपीओ उदय कुमार ने बताया कि प्रधानमंत्री स्कूल

फॉर रजिंजंग इंडिया (पीएम श्री योजना) का मुख्य उद्देश्य पुराने स्कूलों को अपग्रेड करना है। उन सभी स्कूलों को नए शिक्षा नीति के साथ जोड़ना है।

होली और रमजान पर लायंस विशाल ने टीबी मरीजों के बिच बांटा पोष्टिक आहार

मेदिनीनगर पलामू, रविवार को लायंस क्लब ऑफ गढ़वा विशाल के अध्यक्ष डॉ कमलेश कुमार की अध्यक्षता में क्लब कार्यालय गढ़वा में होली और रमजान के पावन अवसर पर फुड फॉर हंगर के तहत टीबी मरीजों के बिच पोष्टिक आहार का वितरण किया गया इस मौके पर अध्यक्ष डॉ कमलेश ने कहा कि दोनों धर्मो का पावन पर्व चल रहा है ऐसे मौके पर आपसी सौहार्द और प्रेम का संदेश मितना है और अमीरी गरीबी एवं बिमार लोगों से का भेदभाव मिटाते हुए हम सब मिलजुलकर हर्षोल्लास के साथ अपनी अपनी त्योहार बनाये और हमारे टीबी मरीज के भाई बहन लोग भी पर्व के मौके पर अच्छी अच्छी पकवान बनाकर खाएं और जल्द स्वस्थ हो जाएं यही सोच के साथ आज हम और हमारी टीम ने पौष्टिक आहार का वितरण किया इस मौके पर डॉ अरसद अंसारी, ब्रजमोहन प्रसाद, नन्दलाल प्रसाद, देवानंद शर्मा, गिरिश कमलापुरी, सदर अस्पताल गढ़वा से विश्वास शर्मा उपस्थित थे

पांकी पुलिस ने होली पर्व के महेनजर पांकी बाजार में निकाला प्लैग मार्च

पांकी पलामू, प्रशिथु आईपीएस गौतम गोस्वामी एवं पांकी थाना प्रभारी उत्तम तिवारी के नेतृत्व में होली पर्व के महेनजर पांकी बाजार में प्लैग मार्च निकाला। उन्होंने पांकी वासियों से अपील करते हुए कहा कि रंगों का त्योहार होली शांति और सोहार्द पूर्ण महील में मनायें। किसी भी तरह के अफवाह पर ध्यान नहीं देना है। अफवाह को बढ़ावा नहीं देना

है। सोसल मीडिया के अफवाह से बचें। लोकसभा चुनाव को लेकर आचार संहिता भी लागू है उसमें डीजे और जूलूस बगैर अनुमति नहीं निकाले जाएंगे। पुलिस का असामाजिक तत्वों पर पैनी नजर रहेगी। थाना क्षेत्र में किसी तरह की अग्रिय सूचना मिलने पर उसकी जानकारी पुलिस को तत्काल दे। पुलिस उसपर त्वरित कार्रवाई करेगी।

मतदान प्रतिशत बढ़ाने के लिए बीएलओ के साथ की बैठक यूवा व फर्स्ट टाइम वोटर्स से मतदान करने की अपील

धनबाद। जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त माधवी मिश्रा की अध्यक्षता में आज न्यू टाउन हॉल में धनबाद विधानसभा के बूथ लेवल ऑफिसर (बीएलओ) के साथ बैठक आयोजित की गई। बैठक में बीएलओ व बीएलओ सुपरवाइजर को मतदान प्रतिशत बढ़ाने के लिए प्रशिक्षण व आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए। बीएलओ को वोटर हेल्पलाइन एप डाउनलोड करने, एप में मतदाताओं का नाम चेक करने के तरीके के संबंध में प्रशिक्षण दिया गया। वहीं जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने कहा कि सभी बीएलओ अपने संबंधित बूथ का डाटा अपने पास रखें। इसमें पर्दानशीन बूथ, 85 वर्ष से अधिक उम्र के मतदाताओं की सूची, पर्सन विद डिसेबिलिटी (पीडब्ल्यूडी) वोटर की सूची, महिला, पुरुष व ट्रांसजेंडर मतदाता की संख्या, पिछले चुनाव का मतदान प्रतिशत सहित बूथ से संबंधित हर जानकारी उनके पास होनी चाहिए। उन्होंने बूथ अवेयरनेस ग्रुप का गठन करने का



निर्देश सभी बीएलओ को दिया।

सभी बीएलओ को फॉर्म 6 का 25 अप्रैल तक निष्पादन करने तथा 15 मार्च 2024 से पहले प्राप्त फॉर्म 7 एवं 8 का निष्पादन जारी रखने तथा किसी समस्या के समाधान के लिए उच्च अधिकारियों से संपर्क करने का निर्देश दिया गया। जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने कहा कि धनबाद एवं झरिया विधानसभा में मतदान प्रतिशत बढ़ाने के लिए लगातार प्रयास किया जा रहे है। इस संबंध में बीएलओ व सुपरवाइजर को प्रशिक्षण दिया जा रहा है। वहीं स्वीप कोषांग भी

बच्चों को प्रायोगिक शिक्षा मी दी जाएगी

स्कूलों में शिक्षा की आधुनिक नई तकनीक का इस्तेमाल किया जाएगा। स्कूल में नवीनतम तकनीक, स्मार्ट क्लासरूम, आर्ट रूम, डिजिटल बोर्ड, स्पोर्ट्स इक्विपमेंट, इंटरनेट की सुविधा, आधुनिक शिक्षा नीति को लागू करने की अन्य सुविधा सुलभ कराया जाएगा। जल संरक्षण, अपशिष्ट पुनर्चक्रण, ऊर्जा कुशल बुनियादी ढांचे आदि के माध्यम से हरित विद्यालय बनाया जाएगा। विद्यार्थियों को प्रायोगिक शिक्षा भी दी जाएगी।

हैदरनगर के अपग्रेडेड राजकीयकृत हाई स्कूल पतरिया, हरिहंगंज प्रखंड के अपग्रेडेड हाई स्कूल कोकारो, हुसैनाबाद के राजीयकृत हाई स्कूल संडा, कस्तूरबा गांधी आवासीय

विद्यालय हुसैनाबाद, लेस्लीगंज के राजकीयकृत हाई स्कूल धनगांव, मनातू प्रखंड के प्लस 2 हाई स्कूल चक, मोहम्मदगंज के हाई स्कूल मोहम्मद, नावाबाजार के प्लस 2 हाई स्कूल कंडा, नौडीहा बाजार के हाई स्कूल नौडीहा बाजार, पड़वा के कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय पाटन, पांडू के प्लस 2 हाई स्कूल रतनाग, पांकी के कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय पांकी, पाटन के अपग्रेडेड हाई स्कूल सिक्कीकला, पीपरा के कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय हरिहरगंज, रामगढ़ के अपग्रेड हाई स्कूल मुनतार, सतबरवा प्रखंड के अपग्रेडेड हाई स्कूल सोहरीखास, तरहसी के अपग्रेडेड हाई स्कूल सिलदिलिया, उंटोरी रोड के अपग्रेडेड हाई स्कूल करकड़ा को चयनित किया गया है।

लाल प्रीतम बी.एड कॉलेज में होली मिलन समारोह का हुआ आयोजन



केवल होली के त्योहार ही सिखा पाती है. प्रशिक्षण महाविद्यालय के प्रशिथु शिक्षिका श्वेता कुमारी ने अपने सहपाठी प्रशिथुओ को संदेश देते हुए कहा कि होली का त्योहार समाज में मानवीय गुणो को स्थापित करके लोगों में प्रेम एकता एवं सद्भावना को बढ़ाते हैं. होली की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए ऑल भाषा के विशेषज्ञ प्रोफेसर संघ्या कुमार विश्वकर्मा ने कहा कि होली का रंग पर्व आज के बदलते परिवेश में चरमपंथ संबंधों को संवारने, उसे सुदृढ़ मजबूत करने का पुनीत कार्य करते हैं इससे आम जनमानस को परहेज नहीं करना चाहिए.असिस्टेंट प्रोफेसर नूतन कुमारी ने कहा कि होली दिलों से जुड़ी भावनाओं का पर्व है. प्रोफेसर

नावा बाजार प्रखंड मुख्यालय में होली पर्व को लेकर प्रशासन ने निकाली प्लैग मार्च नावा बाजार

पलामू, होली महा पर्व को लेकर पलामू पुलिस कप्तान रेश्मा मिेशन के निर्देशानुसार पुलिस इम्पेक्टर रामाशीष पासवान के नेतृत्व में नावा बाजार प्रखंड मुख्यालय, विश्रामपुर, उंटारी, पांडू थाना क्षेत्र में पुलिस गश्ती के साथ प्लैग मार्च विचार को किया गया।

नावा बाजार थाना प्रभारी चिंदू कुमार ने अपने दल बल के साथ प्रखंड क्षेत्र के चौक चौराहा,

बाजार,गली कस्बा में फ़िल्म मार्च करते हुए त्योहार को शांतिपूर्ण तरीके से मनाने की अपील की उन्होंने कहा कि हार्दगियों को खेर नहीं होगी सभी आपस में मिलजुल कर त्योहार को मनावे प्रशासन आपके साथ है। मौके पर एएसआई सुधीर कुमार, भुवनेश्वर तुरी, पुलिस अवर निरीक्षक विश्वनाथ राणा ,आनंद रजक सहित कई पुलिस बल मौजूद थे।

एक नजर

जमीन विवाद में हत्या

चैनपुर पलामू/होली से एक दिन पहले दो युवकों की हत्या कर दी गई। एक युवक की हत्या चैनपुर थाना क्षेत्र के शाहपुर सेमरताड़ स्थित कोयल नदी किनारे हुई, जबकि दूसरे की मेदिनीनगर शहर थाना क्षेत्र के नावाटोली इलाके में मार डाला गया। दोनों की हत्या तेज धारदार हथियार से की गई है। डबल मर्डर से इलाके में सनसनी फैल गई है। सूचना मिलने के बाद पुलिस छानबीन में जुटी हुई है। इस घटना को दो गुटों की आपसी रंजीश से जोड़ कर देखा जा रहा है। मृतकों की पहचान राजेश कुमार (20) एवं सुजीत भुइयां उर्फ.बौधा के रूप में हुई है। बताया जाता है कि रविवार सुबह राजेश और सुजीत कोयल नदी में शौच करने गए थे। इसी क्रम में दूसरे गुट के युवकों ने उनपर तेज धारदार हथियार से हमला कर दिया। राजेश के पिता देवनंदन ने बताया कि श्याम चौधरी, रामा चौधरी, कारू, मिथुन, नितेश और देव साव ने मिलकर हत्या की है। देवनंदन के अनुसार तेज धारदार हथियार से उसके बेटे को कोयल नदी में हत्या की गई, जबकि सुजीत को भगाने के क्रम में नावाटोली इलाके में खदेड़कर मार डाला गया। जानकारी के अनुसार इस वार्तकों को दो युवकों के गैंग में पूरे से चले आ रहे विवाद से जोड़कर देखा जा रहा है। कुछ महीने पहले इसी विवाद के कारण सेमाताड़ के श्यामा चौधरी पर जानलेवा हमला किया गया था। तेज धारदार हथियार से हमला करने के साथ-साथ फायरिंग भी की गई थी। हालांकि रांची में कुछ माह इलाज चलने के बाद श्याम चौधरी को जान बची थी। होली से एक दिन पहले खूनी होली खेले जाने से शाहपुर और सेमरताड़ के इलाके में दहशत का माहौल है। होली जैसे पर्व पर सौहार्द का माहौल बिगड़ने से लोग परेशान हो गए हैं।

तेतराई गोली कांड में घायल मुखिया से मिले विधायक डॉ मेहता

पांकी पलामू/पांकी प्रखंड के तेतराई मुख्य बाजार में शुक्रवार की शाम हुई गोली कांड में घायल मुखिया राजेंद्र पांडे के तेतराई स्थित उनके आवास पर रविवार की शाम पांकी विधायक कुशवाहा डॉक्टर शशी भूषण मेहता पहुंचे, इस दौरान विधायक ने उनका हाल-चाल जाना व घटना की जानकारी प्राप्त की, उन्होंने पांकी थाना प्रभारी से इस मामले का तत्काल उद्बेदन करने व दोषियों पर तत्काल कार्रवाई की मांग की। उन्होंने कहा कि जब क्षेत्र के जनप्रतिनिधि ही सुरक्षित नहीं है तो जनता का क्या हाल होगा, इस घटना पर चिंता व्यक्त करते हुए विधायक ने कहा कि जनप्रतिनिधि लगातार जनता के बीच एवं जनता की सेवा में दिन-रात लगे रहते हैं ऐसे में यदि उन पर हमला हो रहा है तो यह बड़े ही दुर्भाग्य की बात है उन्होंने कहा कि सभी प्रमुख स्थानों पर सीसीटीवी कैमरे एवं पुलिस की चौकसी बड़े ताकि इस तरह की अपराधी घटनाओं पर अंकुश लगे।

पाटन थाना क्षेत्र के सुठा गाँव मे किराना दुकान से अवैध शराब पुलिस ने किया जब्त

पाटन पलामू/पाटन थाना क्षेत्र के सुठा गाँव मे किराना दुकान से अवैध शराब पुलिस ने किया जब्त। पुलिस ने मौके से 75 अंग्रजी, 48 देशी और 100 बोतल बिबर किया बरामद। पाटन थाना प्रभारी के नेतृत्व में हुई कार्रवाई।दुकानदार सुरेश राम के खिलाफ दर्ज हुआ एफआईअर।

होली मिलन समारोह एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन

नावा बाजार- पलामू/ सोहदाग खुर्द पंचायत के रजदिरिया मध्य विद्यालय प्रांगण में होली महापर्व के अवसर पर रजदिरिया एवं मल्लाह टोली नवयुवक संकीर्तन मंडली की ओर से रंगा रंग विराट होली मिलन समारोह का आयोजन किया गया है। इस विराट होली मिलन समारोह में मुख्य अतिथि भाजपा नेता डॉ ईश्वर सागर चंद्रवंशी, इंदरीश हमारी मुखिया कमला देवी जिला पार्षद प्रतिनिधि राजबली महाराज पूर्व प्रमुख रविंद्र पासवान प्रधानध्यापक सतीश कुमार महतो समाजसेवी दामोदर चौधरी सुनील चौधरी अली शेर अंसारी अखिलेश यादव समेत सैकड़ो लोग शामिल हुए और विराट रंगारंग होली मिलन समारोह में एक दुजे को अबीर गुलाल लगाकर होली के अग्रिम बघाई दी। साथ ही विराट होली मिलन समारोह के आयोजन समिति के द्वारा सभी सम्मानित अतिथियों को अंग वस्त्र देकर सम्मानित किया। उक्त मौके पर डॉक्टर ईश्वर सागर चंद्रवंशी ने कहा कि जिस प्रकार फगुनु एवं चैत महीना में सभी पेड़ पौधे के नए पत्ते आ जाते हैं। ठीक उसी प्रकार से हम सभी लोगों को साल भर के गिले शिकवे भुला कर हम एक दूसरे को रंगों के त्योहार होली महापर्व पर रंग अबीर लगाकर नये साल का मुबारक बाद एवं बघाई देते हैं।वही कार्यक्रम में व्यास दिलीप साहनी, अरुण शरमाक, रामराज भुइया, विजय बबली ने एक से बढ़कर एक कई होली गीत प्रस्तुत किया जहां उपस्थित सभी श्रोतामण को मंत्र मुक्त किया। मौके पर विराट कोहली मिलन समारोह में सैकड़ो लोग शामिल थे। कुड़वा एवं समीप नदी किनारे चल रहे अवैध महुआ शराब भट्टी को पिपरा पुलिस ने किया ध्वस्त

हरिहरगंज पलामू/पिपरा थाना बिमल कुमार के नेतृत्व में टीम गठित कर रविवार को अवैध शराब के विरुद्ध छापामारी अभियान चलाया गया। अभियान के क्रम में थाना क्षेत्र अंतर्गत कुड़वा गांव समीप नदी किनारे चल रहे अवैध महुआ शराब भट्टी को ध्वस्त किया गया। वहीं अवैध शराब भट्टी से बरामद एक विक्टल जावा महुआ तथा 45 लीटर देसी महुआ शराब एवं शराब बनाने के उपकरण को मौके पर ही नष्ट किया गया। हालांकि पुलिस को देख अवैध शराब के धंधे में शामिल कारोबारी भाग गए। थाना प्रभारी बिमल कुमार ने बताया कि अवैध शराब कारोबारियों के विरोध में आगे भी करवाई जारी रहेगा। छापेमारी दल में पुलिस के जवान शामिल थे।

फर्जी ग्राम सभा से हो रहे कुडवा गांव स्थित कब्रिस्तान घेराबंदी का ग्रामीणों ने किया विरोध

हरिहरगंज पलामू/ पिपरा प्रखंड के सरैया पंचायत अंतर्गत कुडवा गांव समीप कब्रिस्तान घेराबंदी कार्य योजना का ग्रामीणों ने शुक्रवार को जमकर विरोध किया। फर्जी ग्राम सभा का मामला गहराता ही जा रहा है। ग्रामीणों ने विरोध प्रदर्शन के दौरान बताया कि कब्रिस्तान घेराबंदी निर्माण के लिए जो लाभुक समिति का चयन किया गया है। वह फर्जी तरीके से बैगर ग्रामीणों की जानकारी में की गई है। साथ ही बताया कि फर्जी ग्राम सभा से हो रहे कब्रिस्तान घेराबंदी की शिकायत ग्रामीणों ने जिला से लेकर प्रखंड के पदाधिकारी से की है। लेकिन अभी तक पदाधिकारी के द्वारा कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया। दिए गए आवेदन में ग्रामीणों ने कहा है कि स्थल पर ग्राम सभा कर कब्रिस्तान घेरा बंदी योजना का कार्य कराया जाए। कोई ठोस कार्रवाई नहीं होने से ग्रामीणों में आक्रोश व्याप्त है। ग्रामीणों ने कहा कि फर्जी ग्राम सभा कर वार्ड सदस्य अलमा खातून के पति जहीर अंसारी को कार्य आवंटित किया गया है।जो किसी भी समय अग्रिय घटना होने की बात ग्रामीणों ने बताई। ग्रामीणों ने कहा कि फर्जी ग्राम सभा कब्रिस्तान घेराबंदी का जल्द जांच नहीं हुआ तो उा अंदोलन करने पर बाध्य होंगे। विरोध करने वालों में आलमगीर अंसारी, अजबूल्लाह अंसारी, कलीम अंसारी अलमन अंसारी, जाहिद अंसारी, अलीम अंसारी, शहनाज अंसारी, बसरुद्दीन अंसारी, समसुद्दीन अंसारी, सैय्दुल्लाह अंसारी, अनुल्लाह अंसारी, सोबरती अंसारी, निपाजउद्दीन अंसारी, सोहेल अंसारी, इस्लाम अंसारी, सुनील भुईयां,अनिल भुईयां,उमेश यादव, किनोद यादव, उर्देद यादव, नसीमा खातून, हसबतु खातून,जमीला खातून, साबीना खातून, यासमीन खातून, करीना खातून, गुलशन खातून, हफिजा खातून, तेवरी बीबी, आमना बीबी सहित आदि का नाम शामिल है।

फर्जी ग्राम सभा से हो रहे कुडवा गांव स्थित कब्रिस्तान घेराबंदी का ग्रामीणों ने किया विरोध

हरिहरगंज पलामू/ पिपरा प्रखंड के सरैया पंचायत अंतर्गत कुडवा गांव समीप कब्रिस्तान घेराबंदी कार्य योजना का ग्रामीणों ने शुक्रवार को जमकर विरोध किया। फर्जी ग्राम सभा का मामला गहराता ही जा रहा है। ग्रामीणों ने विरोध प्रदर्शन के दौरान बताया कि कब्रिस्तान घेराबंदी निर्माण के लिए जो लाभुक समिति का चयन किया गया है। वह फर्जी तरीके से बैगर ग्रामीणों की जानकारी में की गई है। साथ ही बताया कि फर्जी ग्राम सभा से हो रहे कब्रिस्तान घेराबंदी की शिकायत ग्रामीणों ने जिला से लेकर प्रखंड के पदाधिकारी से की है। लेकिन अभी तक पदाधिकारी के द्वारा कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया। दिए गए आवेदन में ग्रामीणों ने कहा है कि स्थल पर ग्राम सभा कर कब्रिस्तान घेरा बंदी योजना का कार्य कराया जाए। कोई ठोस कार्रवाई नहीं होने से ग्रामीणों में आक्रोश व्याप्त है। ग्रामीणों ने कहा कि फर्जी ग्राम सभा कर वार्ड सदस्य अलमा खातून के पति जहीर अंसारी को कार्य आवंटित किया गया है।जो किसी भी समय अग्रिय घटना होने की बात ग्रामीणों ने बताई। ग्रामीणों ने कहा कि फर्जी ग्राम सभा कब्रिस्तान घेराबंदी का जल्द जांच नहीं हुआ तो उा अंदोलन करने पर बाध्य होंगे।

निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण चुनाव के लिए सभी विभागों के पदाधिकारी आपसी समन्वयन से करें : एसडीएम

आपराधिक एवं असामाजिक गतिविधियों पर रखें सतत निगरानी : एसडीपीओ

हुसैनाबाद पलामू: लोकसभा चुनाव 2024 को शांतिपूर्ण, स्वच्छ, निष्पक्ष एवं भयमुक्त संपन्न कराने के लिए हुसैनाबाद रविवार को अनुमंडल पदाधिकारी सह आईएस पिथुष सिन्हा ने जनप्रतिनिधि प्रशासन एवं पुलिस प्रशासन के साथ की समीक्षा बैठक मौके पर अनुमंडल पदाधिकारी पिथुष सिन्हा ने कहा कि आपसी समन्वय से कार्य-योजना तैयार कर समयबद्धता के साथ कार्य करें।भारत निर्वाचन आयोग के द्वारा सभी स्तरों पर



होली के त्योहार का इतिहास व महत्व

होली का त्योहार मुख्य रूप से हिन्दुओं का प्रमुख पर्व होता है और इसका इतिहास सदियों पुराना है, जो हमें प्राचीन समय की कथाओं की याद दिलाता है। होली का त्योहार मुख्य रूप से रंगों का त्योहार होता है और इस दिन का हिंदू धर्म में विशेष महत्त्व है। होली दो दिनों तक मनाई जाती है जिसमें पहले दिन होलिका दहन होता है जिसे छोटी होली भी कहा जाता है और दूसरे दिन रंगों का त्योहार होता है जिसमें लोग मिल जुलकर रंग खेलते हैं और खुशियां मनाते हैं। पानी के गुब्बारों और पिचकारी से बहुत पहले से ही होली खेलने का चलन चला आ रहा है। बहुत पहले होली केवल हिन्दू धर्म का त्योहार था लेकिन अब ये दुनिया भर में एक उत्सव की तरह मनाया जाता है। कई ऐसी कहानियां हैं जो होली की उत्पत्ति से पहले की हैं और पौराणिक कथाओं में उन कहानियों का वर्णन करती हैं जो मानव जाति को और अधिक रंगीन बनाने की बात करती हैं। भारत के सबसे प्राचीन त्योहारों में से एक, होली को र्होलिकार के नाम से भी जाना जाता था। आइए ध्यान आश्रम के योगी अश्वनी जी से जानें होली के इतिहास और इसके महत्व के बारे में।

होली का इतिहास

होली वह दिन होता है जब होलिका, जिसे अग्नि में अखंड रहने का वरदान प्राप्त था उन्होंने



प्रह्लाद को अपनी गोद में बैठाकरअग्नि में प्रवेश किया था। उस समय भगवान विष्णु प्रह्लाद की सहायता के लिए आए और परिणामस्वरूप, होलिका अग्नि में जल गई, जबकि प्रह्लाद को कोई नुकसान नहीं हुआ। योगी अश्वनी जी बताते हैं कि पुराणों की कहानियां एक आम आदमी के लिए पौराणिक कथाएं प्रतीत होती हैं क्योंकि उनमें वर्णित घटनाएं अक्सर उन चीजों का

उल्लेख करती हैं जो अलौकिक या असली लगती हैं, उदाहरण के लिए, आग में बेदाग रहने की शक्ति या विष्णु नामक ऊर्जा का आह्वान। पुराण वास्तव में हमारे पूर्वजों के साथ घटित वास्तविक घटनाओं का इतिहास होते हैं, जिन्होंने कई हजार साल पहले धरती पर निवास किया था। इसलिए होली का इतिहास भी पुराणों से जुड़ा हुआ है। होलिका दहन की पौराणिक कथा

होलिका दहन की कथा के अनुसार प्राचीन काल में एक राजा थे जिनका नाम हिरण्यकश्यप था। उनका बेटा प्रहलाद भगवान विष्णु का परम भक्त था और विष्णु जी की भक्ति में लीन रहता था। हिरण्यकश्यप को यह बात पसंद न थी इसलिए उन्होंने प्रह्लाद को कई तरीकों से मारने का प्रयास भी किया। अंततः उन्होंने अपनी बहन होलिका से कहा कि वह प्रह्लाद को लेकर अग्नि में प्रवेश कर जाए जिसके परिणामस्वरूप होलिका जल कर मर गई और भक्त प्रह्लाद बच गए। जिसके पश्चात हिरण्यकश्यप की क्रूरता को समाप्त करने हेतु भगवान विष्णु ने नरसिंह अवतार लिया और हिरण्यकश्यप को समाप्त कर दिया। तभी से होलिका दहन का प्रचलन शुरू हुआ और होलिका की अग्नि में बुराइयों के समाप्त होने के बाद खुशियां मनाने के लिए अगले दिन रंग खेलने की प्रथा शुरू हुई।

होली का महत्व

होली का त्योहार मुख्य रूप से वसंत ऋतु यानी कि वसंत की फसल के समय मनाया जाता है

जो सर्दियों के अंत का प्रतीक भी माना होता है और हिंदू कैलेंडर के फाल्गुन महीने में मनाई जाती है। यह उत्सव फाल्गुन पूर्णिमा तिथि (जानें कब से शुरू हो रहा है होलाष्टक) की शाम से ही शुरू हो जाता है और दो दिन तक मनाया जाता है। होली रंगों का तथा हंसी -खुशी का त्योहार है। यह भारत का एक प्रमुख और प्रसिद्ध त्योहार है, जो अब विश्वभर में मनाया जाने लगा है। यह दिन बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक है। लोग इस दिन एक अग्नि जलाते हैं और भगवान विष्णु के लिए भक्त प्रहलाद की भक्ति की विजय का जश्न मनाते हैं। इस दिन लोग होलिका की पूजा भी करते हैं क्योंकि हिंदू पौराणिक कथाओं में यह माना जाता है कि होलिका पूजा सभी के घर में समृद्धि और धन लाती है। लोगों का मानना है कि होलिका पूजा करने के बाद वे सभी प्रकार के भय पर विजय प्राप्त कर सकते हैं। होलिका दहन के अगले दिन को धुलेंडी कहा जाता है जिसमें अबीर-गुलाल इत्यादि डाला जाता है और दूसरों से सौहार्द जताया जाता है।

होली का

सांस्कृतिक महत्व

होली से जुड़े विभिन्न किंवदंतियों का उत्सव लोगों को सच्चाई की शक्ति के बारे में आश्वस्त करता है क्योंकि इन सभी किंवदंतियों का नैतिक बुराई पर अच्छाई की अंतिम जीत है। हिरण्यकश्यप और प्रह्लाद की कथा भी इस तथ्य की ओर इशारा करती है कि भगवान की अत्यधिक भक्ति भुगतान करती है क्योंकि भगवान हमेशा अपने सच्चे भक्त को अपनी शरण में लेते हैं। ये सभी लोगों को अपने जीवन में एक अच्छे आचरण का पालन करने और सच्चे होने के गुण में विश्वास करने में मदद करती हैं। होली लोगों को सच्चे और ईमानदार होने के गुण में विश्वास करने और बुराई से लड़ने में मदद करती है। इसके अलावा, होली साल के ऐसे समय में मनाई जाती



है जब खेत पूरी तरह खिल जाते हैं और लोग अच्छी फसल की उम्मीद करते हैं। यह लोगों को होली की भावना में आनंदित होने, आनंद लेने और खुद को ढूबने का एक अच्छा कारण देता है।

सामाजिक महत्व

होली समाज को एक साथ लाने और एक दूसरे के बीच ताने-बाने को मजबूत करने में मदद करती है। क्योंकि, यह त्योहार हिंदुओं के अलावा अन्य धर्मों में भी मनाया जाता है। होली की

परंपरा यह है कि होली पर शत्रु भी मित्र बन जाते हैं और आपसी किसी भी लड़ाई को भूल जाते हैं। इस दिन लोग अमीर और गरीब के बीच भी अंतर नहीं करते हैं और सभी लोग मिलनसार और भाईचारे की भावना के साथ इस त्योहार को मनाते हैं। वास्तव में यह होली का त्योहार हम सभी के बीच बहुत ज्यादा मायने रखता है और आपसी प्रेम और बुराई पर अच्छाई का प्रतीक माना जाता है।

रंगों के त्योहार होली के बारे में जानें ये रोचक बातें



होली हिंदू धर्म के महत्वपूर्ण पर्वों में से एक है, यही वजह है कि इस पर्व के बारे में कई कहानियां प्रचलित हैं। होली का त्योहार जल्द ही आने वाला है। ऐसे में इन दिनों बाजार में एक अलग रैनक देखने को मिलती है। खाने-पीने से लेकर कपड़ों तक, लोग शॉपिंग में जुटे रहते हैं। घरों में पापड़ और गुजिया बनाने का काम शुरू कर दिया, लोग दूर शहर से अपने घर त्योहार मनाने के लिए आते हैं। हर साल इस त्योहार को लेकर लोगों के मन में एक अलग उल्लास नजर आता है। बच्चों से लेकर बड़ों तक सभी इस त्योहार का इंतजार करते हैं और त्योहार के दिन आपस में मिलकर एंजॉय करते हैं। होली के बारे में आप में से ज्यादातर लोग काफी कुछ जानते हैं, मगर कुछ ऐसे भी लोग हैं जिन्हें होली के पीछे छुपी मान्यता और कहानी के विषय में ज्यादा जानकारी नहीं है।

कब मनाई जाती है होली

होली का त्योहार हर साल वसंत ऋतु में मनाया जाता है। हिंदू पंचांग के अनुसार होली फाल्गुन मास की मनाई जाती है। वहीं इंग्लिश कलेंडर की बात करें तो होली अधिकतर मार्च के महीने में मनाई जाती है, हालांकि कई बार फरवरी और अप्रैल के महीने में भी होली पड़ जाती है।

प्राचीन त्योहारों में से एक है होली

होली भारत के प्राचीन त्योहारों में से एक है, जिसे होलिका, होली या होलाका नाम से अलग-अलग जगहों पर मनाया जाता है। वसंत के मौसम में मनाए जाने के कारण इस त्योहार को वसंतोत्सव और काम-महोत्सव भी कहा जाता है।

प्राचीन इतिहास से जुड़ा है यह त्योहार

इतिहासकारों की मानें तो आ्यों के समय में इस त्योहार का प्रचलन था, मगर यह उस दौरान यह केवल भारत में ही मनाया जाता था। बता दें कि इस त्योहार का वर्णन अनेक पुरातन धार्मिक किताबों में भी मिलता है, जिससे पता चलता है कि लंबे समय से हमारी संस्कृति का हिस्सा है। नारद पुराण और भविष्य पुराण में भी इस त्योहार का उल्लेख मिलता है। विंध्य क्षेत्र में रामगढ़ नामक स्थान पर करीब 300 साल पुराने अभिलेख मिले हैं, जिनमें होली में बारे में लिखा गया है। इतना ही नहीं संस्कृत भाषी कवियों ने भी होली का उल्लेख वसंतोत्सव नाम से अपनी कविताओं में बड़ी खूबसूरती से किया है।

चित्रों में मिलता है होली का उल्लेख

प्राचीन चित्रों और मॉडर की दीवारों पर ही होली से जुड़ी खूबसूरत चित्रकारी देखने को मिलती हैं। विजयनगर की राजधानी हंपी में बने एक चित्र फलक पर होली के कई खूबसूरत चित्रों को उकेरा गया है। इन चित्रों में राजकुमारियों, राजकुमार और दासियों को आपस में होली खेलते दिखाया गया है। इतना ही नहीं अहमदनगर में बनी एक चित्र आकृति का विषय ही वसंत रागिनी है, जिसमें राजपरिवार में एक दंपति बगीचे में झुला झूलता दिखाया गया है और उनके आसपास की दासियों को रंग में खेलते और हंसते-गाते दिखाया गया है।

कृष्ण और होली

होली का जिक्र बिना श्री कृष्ण के अधूरा है। श्री कृष्ण के जन्म स्थान ब्रज में 16 दिन पहले से ही हर साल होली मनाई जाने लगती है, बरसाना की लड़मार होली को देखने के लिए लोग दूर-दूर से आते हैं। इसमें

महिलाएं मोटी बांस की लाटियों से पुरुषों को मारती हैं और बचाव में पुरुष उनपर पानी डालते हैं। अगर पुरुष अपने आपको नहीं बचा पाते हैं तो महिलाएं उन्हें अपनी तरह से साड़ी पहनाती हैं। ऐसा माना जाता है कि भगवान श्री कृष्ण गोपियों से ऐसे ही हर मान लेते थे और उन्हें भी साड़ी पहनकर नाचना पड़ता था।

मुगलकाल में होली

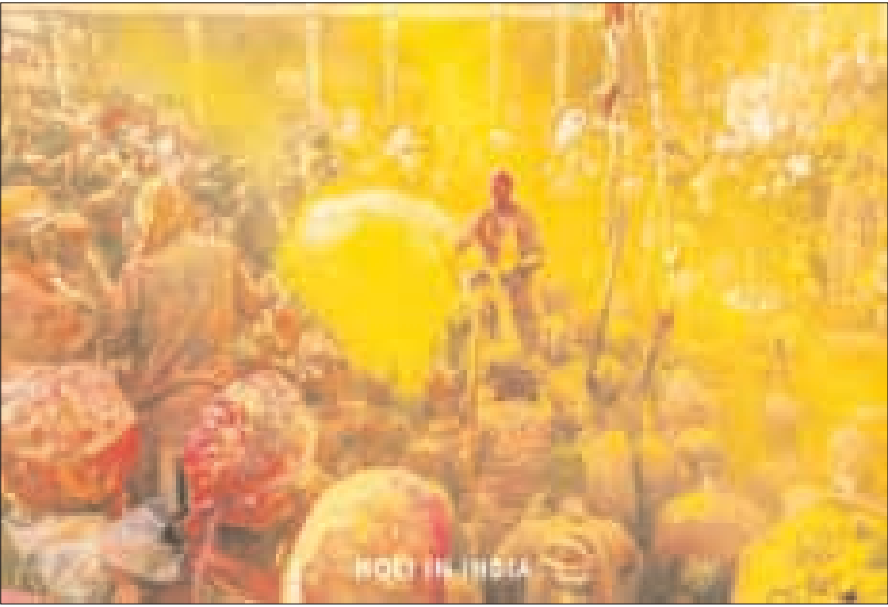
इतिहासकारों की मानें तो होली की प्राचीन परंपरा का विरोध कभी भी मुगल शासकों द्वारा नहीं किया गया। बल्कि कई ऐसे मुगल शासक रहे, जिन्होंने होली के त्योहार को और भी धूमधाम से आयोजित किया है। अकबर, हुमायूं, जहांगीर और शाहजहां ऐसे मुगल शासक थे, जो महीनों पहले से ही रंगोत्सव की तैयारियां शुरू करवा देते थे। इतिहासकारों की मानें तो होली के दिन अकबर के दरबार में खासी धूम देखने को मिलती थी। अकबर के महल में उन दिनों सोने और चांदी के बर्तनों में केसर की मदद से रंग तैयार किए जाते थे, जिसके साथ राजा अपनी बेगमों और हरम की महिलाओं के साथ होली खेला करते थे। शाम को दरबार में कच्वाली और मुशायरे का आयोजन किया जाता था, जहां लोग पाव इलायची और ठंडाई के साथ मेहमानों का स्वागत करते थे। मुगल काल में होली को ईंद गुलाबी के नाम से भी जाना जाता था। बता दें कि जहांगीर के शासन में होली पर महफिल-ए-होली का कार्यक्रम किया जाता था। इस दिन राज्य के आम नागरिक भी राजा के ऊपर रंग डालकर होली खेल सकते थे। वहीं जहांगीर के बेटे शाहजहां इस त्योहार को ईंद गुलाबी त्योहार के रूप में मनाते थे।

बहादुर शाह जफर के शासनकाल में होली

आखिरी मुगल बादशाह कहे जाने वाले बहादुर शाह जफर के समय की होली भी बेहद ख़ास होती थी। इतिहासकारों की मानें तो खुद बहादुर शाह जफर भी होली खेलने के बेहद शौकीन थे और होली को लेकर उनकी लिखी एक काव्य रचना को आज तक सराहा जाता था। मुगल काल में होली के बड़े ही खूबसूरत किस्सों का विवरण मिलता है। जहां बादशाहों और उनकी बेगमों के बीच होली खेलने का विवरण मिलता है।

होली से जुड़ी कहानी

वैसे तो होली के त्योहार से कई कहानियां जुड़ी हुई हैं, मगर इनमें सबसे प्रसिद्ध कहानी भक्त प्रह्लाद की है। कथा के अनुसार प्राचीन काल में हिरण्यकश्यप नाम का एक असुर रहा करता था, जिसे अपने बल पर बहुत घमंड था। इस घमंड में हिरण्यकश्यप खुद को ही भगवान मानने लगा था और उसने अपने राज्य में ईश्वर का नाम लेने पर ही पाबंदी लगा दी थी। हिरण्यकशिपु के घर के पुत्र प्रहलाद का जन्म हुआ, जो कि एक ईश्वर भक्त था। इस बात का पता चलने के बाद हिरण्यकश्यप ने प्रहलाद को कई कठोर ठंड दिए, मगर हर बार भक्त प्रहलाद को कुछ भी नहीं हुआ। सभी तरीकों से तंग आने के बाद हिरण्यकश्यप ने यह बात अपनी बहन को बताई, जिसका नाम होलिका था। होलिका को यह वरदान दिया गया था कि वह आग में कभी भस्म नहीं होगी। हिरण्यकश्यप ने होलिका को आदेश दिया कि वो प्रहलाद को आग में लेकर बैठ जाए, जिससे प्रहलाद भस्म हो जाए। होलिका ने बिल्कुल वैसा ही किया, मगर प्रहलाद की ईश्वर भक्ति के कारण होलिका भस्म हो गई और प्रहलाद जीवित और सुरक्षित रहे। अच्छी की बुराई पर जीत की खुशी में ही यह त्योहार मनाया जाता है।



पंचांग, राशिफल, शब्द पहेली, सूडोकू

आज का राशिफल : 25 मार्च, 2024

मेघ : शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। बुरी संगति से बचें। नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। अर्थपक्ष मजबूत रहेगा। शुभांक-३-५-७

वृष : अपने अधीनस्थ लोगों से कम सहयोग मिलेगा। बाहरी सहयोग की अपेक्षा रहेगी। सलाह उपयोगी सिद्ध होगी। विपरीत परिस्थितियों में भी हानि नहीं होगी। आवेश में आना आपके हित में नहीं होगा, इसलिए व्यवहार व वाणी पर निंत्रण रखें। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। शुभांक-५-६-९

मिथुन : व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। आलस्य का त्याग करें। कार्यसिद्धि होने में देर नहीं लगेगी। आर्थिक लाभ उत्तम रहेगा। शैक्षणिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। परिवार में किसी मांगलिक कार्य पर वाता होगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। स्त्री-संतान पक्ष का सहयोग मिलेगा। शुभांक-२-६-८

कर्क : समय पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने का प्रयास होंगे। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। पुराने मित्र से मिलन होगा। शुभांक-४-६-७

सिंह : मेहमानों का आगमन होगा। राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। विद्यार्थियों को लाभ। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। परिवारजनों का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। शुभांक-३-५-८

कन्या : जीवनसाथी अथवा यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। एकाकी वृत्ति त्यागें। हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात दूर हो जाएगी। अपने काम आसानी से बनते चले जाएँगे। साथ ही आगे के लिए रास्ता भी बन जाएगा। कार्य सफल होंगे। शुभांक-२-५-७

तुला : प्रसन्नता के साथ सभी जरूरी कार्य बनते नजर आएँगे। मनोरथ सिद्धि का योग है। सभा-गोष्ठियों में सम्मान मिलेगा। प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। कई प्रकार के हर्ष उल्लास के बीच आनन्ददायक दिन रहेगा। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। शुभांक-६-८-९

वृश्चिक : स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की दौड़-भाग से यदि बचा जाए तो अच्छ है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। आय के अच्छे योग बनेंगें। संतान की उन्नति के योग हैं। शुभांक-५-६-८

धनु : आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध होंगे। कोई प्रिय वस्तु या नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभाओं में मान-सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। माता पक्ष से विशेष लाभ। पुराने मित्र से मिलन होगा। आत्मचिंतन करें। शुभांक-३-५-८

मकर : लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होंगे। सभाओं में मान-सम्मान बढ़ेगा। माता पक्ष से विशेष लाभ। पुराने मित्र से मिलन होगा। आत्मचिंतन करें। शुभांक-३-५-८

कुंभ : पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएँगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छ है ही होगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। मित्र से मिलन होगा। शुभांक-१-५-८

मीन : धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। लाभ में आशातीत वृद्धि तय है, मगर नकारात्मक रुख न अपनाएं। किसी पुराने संकल्प को पुरा कर लेने का दिन हैं। निष्ठा से किया गया कार्य पराक्रम व आत्मविश्वास बढ़ाने वाला होगा। इच्छित कार्य सफल होंगे। शुभांक-१-६-९

शब्द पहेली - #277		क्यों मैं हूँ ?		क्या हो सके ?	
1	2	3	4	5	6
7	8	9	10	11	12
13	14	15	16	17	18
19	20	21	22	23	24
25	26	27	28	29	30
31	32	33	34	35	36
37	38	39	40	41	42
43	44	45	46	47	48
49	50	51	52	53	54
55	56	57	58	59	60
61	62	63	64	65	66
67	68	69	70	71	72
73	74	75	76	77	78
79	80	81	82	83	84
85	86	87	88	89	90
91	92	93	94	95	96
97	98	99	100	101	102
103	104	105	106	107	108
109	110	111	112	113	114
115	116	117	118	119	120
121	122	123	124	125	126
127	128	129	130	131	132
133	134	135	136	137	138
139	140	141	142	143	144
145	146	147	148	149	150
151	152	153	154	155	156
157	158	159	160	161	162
163	164	165	166	167	168
169	170	171	172	173	174
175	176	177	178	179	180
181	182	183	184	185	186
187	188	189	190	191	192
193	194	195	196	197	198
199	200	201	202	203	204
205	206	207	208	209	210
211	212	213	214	215	216
217	218	219	220	221	222
223	224	225	226	227	228
229	230	231	232	233	234
235	236	237	238	239	240
241	242	243	244	245	246
247	248	249	250	251	252
253	254	255	256	257	258
259	260	261	262	263	264
265	266	267	268	269	270
271	272	273	274	275	276
277	278	279	280	281	282
283	284	285	286	287	288
289	290	291	292	293	294
295	296	297	298	299	300

संयुक्त कक्षाएं - 7015

संयुक्त कक्षाएं

				6	8	5			
	1						2		
		2						8	
			4						9
6				5					1
2						3			
5							3		
	8							6	
			4	9	1				

- प्रत्येक कक्षा में 1 से 9 तक के अंक ही भरी जा सकते हैं।
- प्रत्येक कक्षा में एक ही अंक दो बार (2x) से अधिक नहीं भरा जा सकता।
- प्रत्येक कक्षा में एक ही अंक दो बार (2x) से अधिक नहीं भरा जा सकता।
- प्रत्येक कक्षा में एक ही अंक दो बार (2x) से अधिक नहीं भरा जा सकता।
- प्रत्येक कक्षा में एक ही अंक दो बार (2x) से अधिक नहीं भरा जा सकता।

संयुक्त कक्षाएं - प्रत्येक कक्षा में

1	2	3	4	5	6	7	8	9
1	2	3	4	5	6	7	8	9
1	2	3	4	5	6	7	8	9
1	2	3	4	5	6	7	8	9
1	2	3	4	5	6	7	8	9
1	2	3	4	5	6	7	8	9
1	2	3	4	5	6	7	8	9
1	2	3	4	5	6	7	8	9
1	2	3	4	5	6	7	8	9
1	2	3	4	5	6	7	8	9

प्रॉपर्टी बेचकर हुई कमाई पर भी देना होता है टैक्स

नई दिल्ली। जब भी हम कोई प्रॉपर्टी, इक्विटी या म्यूचुअल फंड बेचते हैं, मुनाफे पर कैपिटल गेन टैक्स चुकाना पता है। हालाँकि ये टैक्स बचाने के कुछ विशेष नियम हैं, जो अधिकतम 10 करोड़ रुपए की कटौती की अनुमति देते हैं।इनकम टैक्स एक्ट के सेक्शन 54 के मुताबिक, अगर आप कोई मकान बेचते हैं और इस तरीके से हुई आय तय अवधि के भीतर (2 साल के भीतर खरीद या 3 साल के भीतर नई प्रॉपर्टी का कंस्ट्रक्शन) कोई अन्य घर खरीदने में खर्च करते हैं तो शुरुआत में जिस प्रॉपर्टी को बेचकर आपने कैपिटल गेन कमाया था उस पर टैक्स में छूट मिल सकती है।

जब आपने घर खरीदा था तब उसकी कीमत 20 लाख रुपए थी। अब आप इसे 42 लाख रुपए में बेच रहे हैं। आपको 22 लाख रुपए का कैपिटल गेन (मुनाफा) हुआ। आपको इस पर 3ब सरचार्ज और सेस (उपकर) के अलावा 20ब लॉन्ग टर्म कैपिटल गेन टैक्स भी देना होगा। हालाँकि, यदि आप पुराने घर की



बिक्री से हुई आय से कोई अन्य मकान खरीदते हैं तो आपको इस टैक्स से छूट मिलेगी। टैक्स एक्सपर्ट सुनील गर्ग बताते हैं कि अगर आप टैक्स रिटर्न फाइल करने तक घर बेचने से मिले पैसे का इस्तेमाल नया घर खरीदने के लिए नहीं करते हैं, तो

उस पैसे को कैपिटल गेन्स अकाउंट स्क्रीम के तहत एक विशेष खाते में डाल दें। फिर भी उस पैसे से 2 साल में कोई घर खरीदना होगा या 3 साल में नया मकान बनवाना होगा। पुराने घर की बिक्री से प्राप्त मुनाफे से लिए गए नए घर को

खरीदने या निर्माण पूरा होने के 3 साल बाद तक नहीं बेच सकते। अगर आप नया घर खरीदने/निर्माण के 3 साल पूरा होने से पहले बेचते हैं, तो सेक्शन 54 के तहत आपको प्राप्त लाभ रद्द कर दिया जाएगा और पूरा लॉन्ग टर्म कैपिटल गेन टैक्स

चुकाना होगा।सेक्शन 54 के तहत छूट आपको तभी मिल सकती है, जब आप भारत में घर खरीद रहे हों। देश के बाहर खरीदी गई किसी भी रिसिडेंशियल प्रॉपर्टी पर आपको लॉन्ग टर्म कैपिटल गेन टैक्स पर कोई छूट नहीं मिलेगी।

पेट्रोल पंप पर गाड़ी की नंबर प्लेट पर होगी कैमरे की नज़र, तत्काल बनवा लें ये पेपर नहीं तो लगेगा 10,000 तक जुर्माना



नई दिल्ली। यदि आप दिल्ली-NCR में हैं और योजना वाहन का इस्तेमाल करते हैं तो सावधान हो जाएं, जल्द ही, आपके वाहन लाइसेंस प्लेटों को PUC वैधता के लिए पेट्रोल पंपों पर कैमरों द्वारा स्कैन किया जाएगा। दिल्ली सरकार इस मामले में एक डिजिटल सॉल्यूशन लागू करने की योजना बना रही है। दिल्ली ट्रांसपोर्ट इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन ने एक निविदा सूचना जारी की है और बिडर्स को डिजिटल सॉल्यूशन का सुझाव देने के लिए आमंत्रित किया है। दरअसल, दिल्ली सरकार राज्य में वाहनों से होने वाले प्रदूषण पर रोकथाम लगाने के लिए उन वाहनों की जांच करना चाहती है जो बिना वैलिड प्रदूषण नियंत्रण सर्टिफिकेट के दौड़ रही हैं। इसके लिए सरकार पेट्रोल पंपों पर CCTV कैमरा लगाने की तैयारी में है ताकि ऐसे वाहनों को उनके नंबर प्लेट के जरिए पहचान की जा सके। बताया जा रहा है कि, इस प्रोजेक्ट की अनुमानित लागत तकरीबन 6 करोड़ रुपये है। मीडिया को दिए बयान में एक अधिकारी ने कहा, "बोली लगाने वाले के पास दिल्ली शहर के भीतर प्रदूषण को कम करने के उद्देश्य से एक डिजिटल समाधान देने की क्षमता होनी चाहिए। इस सॉल्यूशन में एक एप्लिकेशन को भी शामिल किया जाना जरूरी है जो पेट्रोल पंपों पर लगाए गए मौजूदा कैमरों के साथ इंटीग्रेट हो सके।

कैसे काम करेगा ये सिस्टम: अधिकारी ने बताया कि, इसे इस तरह से डिज़ाइन किया जाएगा कि पेट्रोल पंप पर जैसे ही कोई वाहन पहुंचेगा मोके पर लगा हुआ कैमरा लाइसेंस प्लेट को स्कैन कर लेगा और सिस्टम वाहन के रजिस्ट्रेशन नंबर से तत्काल पता लगा लेगा कि, उक्त वाहन का प्रदूषण सर्टिफिकेट वैलिड है या नहीं।

इंडियन ऑयल का ‘स्टॉर्म’ बना थाईलैंड में एशिया रोड रेसिंग चैंपियनशिप के पहले दौर का ‘ऑफिशियल फ़्यूल पार्टनर’

नई दिल्ली/नवप्रदेश। भारत की प्रमुख ऊर्जा कंपनी, इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड ने अपनी नवीनतम तथा बेहतर प्रदर्शन वाले ईंधन, ‘स्टॉर्म-अल्टीमेट रेसिंग फ़्यूल’ के साथ एशिया रोड रेसिंग चैम्पियनशिप (एआरआरसी) - 2024 के ऑफिशियल फ़्यूल पार्टनर के रूप में शानदार तरीके से प्रवेश किया। बुरिराम, थाईलैंड के चांग इंटरनेशनल सर्किट में चैंपियनशिप के शुरुआती दौर में स्टॉर्म ने सभी रेसिंग बाइक्स को ईंधन दिया। एआरआरसी चैम्पियनशिप थाईलैंड, चीन, जापान, इंडोनेशिया, मलेशिया में यात्रा करेगी, जिसका समापन थाईलैंड में होगा।

इंडियनऑयल एकमात्र भारतीय ऊर्जा कंपनी है जिसे सभी एआरआरसी आयोजनों में तीन साल की अवधि के लिए

चैंपियनशिप के लिए ऑफिशियल फ़्यूल पार्टनर के रूप में यह सम्मान प्राप्त हुआ है, जिसमें भाग लेने वाली बाइक को ‘स्टॉर्म-अल्टीमेट रेसिंग फ़्यूल’ दिया गया। अपनी उच्च स्तरीय रेसिंग प्रतिभा के लिए प्रसिद्ध, एआरआरसी ने अग्रणी रेसिंग उत्साही लोगों के साथ इंडियनऑयल की साझेदारी का उत्साहपूर्वक स्वागत किया, जिससे मोटरस्पोर्ट डोमेन में एक विश्वसनीय फ़्यूल पार्टनर के रूप में इंडियनऑयल की स्थिति मजबूत हुई।

स्टॉर्म के प्रदर्शन को दुनिया भर की प्रतिष्ठित रेसिंग टीमों ने काफ़ी सराहा। प्रसिद्ध टीकेकेआर बीएमडब्ल्यू रेसिंग टीम के टीम मैनेजर ने कहा, "यह एक सुखद अनुभव था कि स्टॉर्म के उपयोग से रेसिंग बाइक की गति, तेजी से बढ़ गई। पिछले साल, इसी सर्किट

में केवल कुछ ही बाइकों 300 किमी/घंटा की गति तक पहुंच सकी थीं, लेकिन इस साल इंडियनऑयल का स्टॉर्म हर रेसर बाइक को 300 किमी प्रति घंटे की रफ़्तार तक पहुंचा सका।"

स्टॉर्म- अल्टीमेट रेसिंग फ़्यूल को उच्च प्रदर्शन वाले गैसोलीन के रूप में डिज़ाइन किया गया है, और विशेष रूप से एंडुरो, ट्रायल, सर्किट रेसिंग, मोटोकॉस और सुपरमोतो, क्रॉस-कंट्री, ई-बाइक और ट्रैक रेसिंग सहित विभिन्न रेसिंग सर्किट के कड़े मानदंडों के अनुसार तैयार किया गया है। यह विशेष ईंधन एफ़्फ़ाईएम श्रेणी 2 रेस ईंधन की आवश्यकताओं को पूरा करता है तथा स्विट्ज़रलैंड में एफ़्फ़ाईएम द्वारा अनुमोदित मेसर्स इंटरटेक से मंजूरी के साथ, यह सभी वर्गों की मोटरबाइकों को ईंधन प्रदान करता है।

पेटीएम ने कहा- रिस्ट्रक्चरिंग और परफॉर्मेंस संबंधी एडजस्टमेंट्स को गलत तरीके से छंटनी समझा गया

नई दिल्ली। पेटीएम की पेंटे कंपनी वन 97 कम्प्यूनिकेशंस लिमिटेड ने उन सभी मीडिया रिपोर्ट्स का खंडन किया है, जिनमें दावा किया गया था कि कंपनी अलग-अलग बिजनेस सेक्शन में करीब 20ब-25ब कर्मचारियों को नौकरी से निकालने की तैयारी कर रही है।कंपनी ने इस खबर को भ्रामक और निराधार बताया है। इस मामले में कंपनी ने स्पष्ट किया है कि रिस्ट्रक्चरिंग और परफॉर्मेंस संबंधी एडजस्टमेंट्स को गलत तरीके से छंटनी समझा गया है। पेटीएम अपने वर्कफोर्स की स्टैबिलिटी से समझौता किए बिना ग्रोथ और ऑपरेशनल एफिशिएंसी के लिए प्रतिबद्ध है करीब एक सप्ताह पहले कई मीडिया रिपोर्ट में दावा किया गया था कि पेटीएम



एनुअल परफॉर्मेंस रिव्यू के तहत अलग-अलग डिपार्टमेंट्स में छंटनी करने वाली है। इसके अलावा पेटीएम ,टू-पॉवर्ड ऑटोमेशन एक्सपर्टसाइज भी कर रही है। इसके चलते भी जांब कट

कंपनी में बने रहेंगे।वन97 कम्प्यूनिकेशन ने फाइलिंग में इस बात की जानकारी दी है। पेटीएम जॉइन करने से पहले प्रवीन शर्मा करीब 9 सालों तक गूगल में थे। शर्मा तब, भारत और एशिया-पैसिफिक रीजन में लीडरशिप रोल में रहे। PPBL की इंडिपेंडेंट डायरेक्टर मंजू अग्रवाल ने इस्तीफा दिया था

इससे पहले 1 फरवरी को पेटीएम पेमेंट्स बैंक लिमिटेड (PPBL) की इंडिपेंडेंट डायरेक्टर मंजू अग्रवाल ने बोर्ड से इस्तीफा दे दिया था। तब, वन97 कम्प्यूनिकेशंस ने फाइलिंग में कहा कि मंजू अग्रवाल ने व्यक्तिगत कारणों से 1 फरवरी को बोर्ड से इस्तीफा दे दिया है। इससे कंपनी के ऑपरेशन या बिजनेस पर कोई असर नहीं होगा।

हो सकते हैं। पेटीएम बिजनेस के सीनियर वाइस प्रेसिडेंट प्रवीण शर्मा ने कंपनी से इस्तीफा दे दिया है। प्रवीण ने 23 मार्च को अपना इस्तीफा कंपनी को सौंप दिया है, हालाँकि वे अभी 31 मार्च तक

खेल, मनोरंजन

ऑस्ट्रेलियन ग्रां प्री: वेरस्टैपेन ने पोल पोजीशन हासिल की, हैमिल्टन ग्यारहवें स्थान पर

मेलबर्न। रेड बुल के मैक्स वेरस्टैपेन ने शनिवार को ऑस्ट्रेलियन ग्रां प्री के लिए एक रोमांचक क्वालीफाईंग सत्र में फेरारी के कार्लोस सैन्ज की कड़ी चुनौती का सामना करने के बाद पोल पोजीशन हासिल करते हुए, व्हील के पीछे अपनी महारत का प्रदर्शन किया।

सैन्ज ने उल्लेखनीय लचीलेपन और गति का प्रदर्शन करते हुए क्वालीफाईंग के शुरुआती चरणों में अपना दबदबा बनाया और पहले दो भागों में गति निर्धारित की। हालाँकि, वेरस्टैपेन ने अपनी चैम्पियनशिप-विजेता वंशावली का प्रदर्शन किया, अंतिम शूटआउट में दो त्रुटिहीन लैप्स देकर 0.27 सेकंड के कर्मांडिंग अंतर से पोल पोजीशन छीन



ली।अंतिम सत्र में वेरस्टैपेन के आखिरी दो बेहतरीन लैप फेरारी के लिए बहुत अच्छे थे क्योंकि डचमैन ने इस सीजन में लगातार तीसरी पोल पोजीशन हासिल की, एक बार उन्होंने अपने रिकॉर्ड-ब्रेकिंग 2023 की तुलना में और भी अधिक प्रभावशाली शैली में शुरुआत की है। वेरस्टैपेन की टीम

के साथी सर्जियो पेरेज़ ने ग्रिड पर तीसरा स्थान हासिल किया, जबकि फेरारी के चार्ल्स लेक्लर और मैक्लेरेन के लैंडो नॉरिस शीर्ष पांच में रहे। नॉरिस का चौथा स्थान मैकलारेन का एक साल का सर्वश्रेष्ठ परिणाम था, क्योंकि उनकी शुरुआत उम्मीद से थोड़ी पीछे थी।संजुदी अरब में पिछली

दौड़ में कठिनाइयों के बाद ऑस्ट्रेलिया में एक चुनौतीपूर्ण सप्ताहांत को सहते हुए मसिंडीज ने गति के लिए संघर्ष करना जारी रखा। कार के प्रदर्शन से संबंधित मुद्दों को सुलझाने के उनके प्रयासों के बावजूद, जॉर्ज रसेल और लुईस हैमिल्टन दोनों को क्वालीफाईंग दौर में निराशा का

सामना करना पड़ा। रसेल, जिन्होंने पिछले साल की दौड़ में वेरस्टैपेन के साथ अग्रिम पंक्ति में शुरुआत की थी, इस बार खुद को 0.8 सेकंड से अधिक पीछे पाया।इस बीच, सात बार के विश्व चैंपियन हैमिल्टन शीर्ष 10 में जगह बनाने में असफल रहे और अपने साथी खिलाड़ी से मामूली अंतर से हार गए।सत्र का असाधारण प्रदर्शन सैन्ज का रहा, जिन्होंने एपेंडिसाइटिस सर्जरी के सिर्फ 15 दिन बाद बाधाओं को मात दी। शारीरिक असफलता के बावजूद, सैन्ज ने अपनी प्रतिभा और दृढ़ संकल्प का प्रदर्शन करते हुए एक उल्लेखनीय प्रदर्शन किया, जिससे उन्हें वेरस्टैपेन के साथ अग्रिम पंक्ति में शुरुआत मिली।

टेनिस: सबालेंका और गॉफ मियामी ओपन के तीसरे दौर में

मियामी। दुनिया की दूसरे नंबर की खिलाड़ी आर्याना सबालेंका ने लचीलेपन और फोकस का प्रदर्शन करते हुए मियामी ओपन में पाउला बडोसा पर 6-4, 6-3 की जीत के साथ तीसरे दौर में अपनी जगह पक्की की। बडोसा में एक दृढ़ प्रतिद्वंद्वी का सामना करते हुए, सबालेंका को शुरुआती सेट में प्रतिक्रिया का सामना करना पड़ा। हालाँकि, अपनी टेक्मार्क दृढ़ता का प्रदर्शन करते हुए, उन्होंने बडोसा की सर्विस तोड़कर महत्वपूर्ण बढ़त हासिल कर ली। पहले सेट में, बडोसा ने बहादुरी से संघर्ष किया और सबालेंका के खिलाफ दो ब्रेक प्वाइंट बचाते हुए उल्लेखनीय ताकत का प्रदर्शन किया और 3-2 की बढ़त बना ली।

बेलारूसी खिलाड़ी ने आश्चर्यकार सैिनियार्ड की सर्विस तोड़कर 4-3 की बढ़त ले ली, लेकिन 4-5 से पिछड़ने के बाद अविश्वसनीय पकड़ बनाते हुए सबालेंका से दो सेट प्वाइंट छीन लिए। अपने चौथे सेट प्वाइंट के बाद, मौजूदा ऑस्ट्रेलियाई चैंपियन 1-0 से आगे हो गईं। मैच में बने रहने के लिए बडोसा के साहसिक प्रयासों के बावजूद, सबालेंका का दबदबा कायम रहा क्योंकि उन्होंने पहला सेट जीत लिया और दूसरे सेट में जीत हासिल करने के लिए अपनी लय बरकरार रखी। पाउला बडोसा पर जीत के साथ, सबालेंका के पास अब 2023 की शुरुआत से 25 डब्ल्यूटीए-1000 मैच जीत हैं, वह इगा स्वीयाटेक

(40), एलेना रिबाकिना (34) और कोको गॉफ (26) के बाद ऐसा करने वाली चौथी खिलाड़ी बन गई हैं। सबालेंका की जीत से अनहेल्लिना कलिनिना के खिलाफ तीसरे दौर का दिलचस्प मुकाबला तय हो गया है। इस बीच, एक अन्य कोर्ट पर, दुनिया की तीसरे नंबर की खिलाड़ी कोको गॉफ ने नादिया पोडोरोस्का के खिलाफ शानदार प्रदर्शन करते हुए अपनी ताकत का प्रदर्शन किया। गॉफ की अथक आक्रमकता और सटीकता ने उन्हें 6-1, 6-2 से शानदार जीत दिलाई। गॉफ का तीसरे दौर में ओसियाना डोडिन के खिलाफ मुकाबला होगा।



शाहिद कपूर की वाइफ मीरा ग्लैमरस लुक में पहुंचीं पार्टी



बीती रात मुंबई के जीजी रेस्टोरेंट में एक पार्टी रखी गई। जीजी बांद्रा वेस्ट में लोकेटेड एक पॉपुलर रेस्टोरेंट है, जो कि अपनी जापानी क्रिजीन के लिए मशहूर है। इस रेस्टोरेंट में अक्सर बी-टाउन सेलेब्स को स्पॉट किया जाता है। आयुष्मान खुराना की वाइफ ताहिरा कश्यप मरून फ्लोरल फ्रिंटेड ड्रेस पहने रेस्टोरेंट जाते स्पॉट हुईं। मीरा राजपूत क्वाइट शर्ट और ब्लैक शिमर स्कर्ट में नजर आईं। रसिका दुग्गल, टिस्का चोपड़ा जीजी रेस्टोरेंट के बाहर पोज देती दिखीं।सनी देओल मुंबई एयरपोर्ट पर कैप लगाए नजर आए। एक्टर कैजुअल लुक में दिखे। सनी देओल की

पिछले साल गदर 2 रिलीज हुई थी। इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर कमाल का कलेक्शन किया था। बिग बॉस 17 के विनर मुनक्कर फारुकी भी रेड टी-शर्ट पहने स्पॉट किए गए। विक्रांत मैसी हाथों में बैग लिए, कैप लगाए दिखे।

बता दें, हाल ही एक्टर एक बच्चे के पिता बने हैं। विक्रांत और उनकी वाइफ शीतल ने बच्चे के जन्म की खुशी सोशल मीडिया पर पोस्ट की थी। पिछले साल विक्रांत मैसी की फिल्म 12वीं फेल ने बॉक्स ऑफिस पर खूब कमाई की थी। इस फिल्म को फिल्मफेयर बेस्ट फिल्म अवॉर्ड से भी नवाजा गया था।

■ न्यूज गैलरी

कांग्रेस ने कर्नाटक में बनाए पांच कार्यकारी अध्यक्ष



नई दिल्ली । कांग्रेस ने कर्नाटक के लिए पांच कार्यकारी अध्यक्ष तथा अन्य पदाधिकारी नियुक्त किए हैं। कांग्रेस महासचिव के सी वेणुगोपाल ने बताया कि पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने इन सभी नियुक्तियों को मंजूरी दी है और उन्हें तत्काल प्रभाव से अपना काम शुरू करने के लिए कहा है। उन्होंने बताया कि वरिष्ठ नेता तनवीर सैब, जीसी चंद्रशेखर, विनय कुलकर्णी, मंजुनाथ भंडारी तथा वसंत कुमार को कार्यकारी अध्यक्ष बनाया गया है। वेणुगोपाल ने बताया कि श्री विनय कुमार सोरका को चेयरमैन, डॉ एल हनुमथा को सह अध्यक्ष और रिजवान अशद को वाईस चेयरमैन नियुक्त किया गया है।

हिमाचल में मतदान से पहले चार बार जांची जाएगी ईवीएम

शिमला। हिमाचल प्रदेश में चुनावों में इस्तेमाल से पहले ईवीएम और वीवीपैट को मतदान से पहले चार बार जांचा जाएगा। मशीनों की पहले चरण की जांच हो चुकी है। अभी तीन चरणों की जांच बाकी है। ईवीएम के आक्टन में किसी प्रकार के भेदभाव का आरोप न लगे, इसके लिए कंप्यूटर सॉफ्टवेयर की मदद से यह तय होगा कि किस पोलिंग बूथ को कौन सी ईवीएम मिलेगी। मतदान से पहले स्ट्रांग रूम में ईवीएम पुलिस सुरक्षा में रहेगी और मतदान के बाद स्ट्रांग रूम के बाहर तीन स्तर का सुरक्षा घेरा रहेगा, जिसमें केंद्रीय बल भी तैनात रहेगा। चुनाव के दौरान प्रदेश के 3,995 मतदान केंद्रों में सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएंगे। इन मतदान केंद्रों की सभी गतिविधियां कैमरों की नजर में होंगी। हिमाचल में एक जून को होने वाले लोकसभा व विधानसभा की छह सीटों के उपचुनाव के लिए बेंगलुरु से अतिरिक्त 3,200 इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) लाई गई हैं। विधानसभा चुनाव में इस्तेमाल हुई करीब 8,000 मशीनें राज्य निर्वाचन विभाग के पास पहले से मौजूद हैं। बंगलूरू स्थित निर्माता कंपनी से 3,200 ईवीएम और लाई गई हैं। मतदान से पहले प्रदेश में तैयार 12 स्ट्रांग रूम में 11,200 ईवीएम सुरक्षित पहुंचा दी गई हैं। मतदान के दौरान इनमें खराबी या किसी अन्य कारण से मतदान प्रक्रिया प्रभावित न हो, इसके लिए करीब 2,400 बीयू (बैलेट यूनिट), सीयू (कंट्रोल यूनिट) और वीवीपैट रिजर्व में रखी जाएंगी।

लोकसभा चुनाव : कांग्रेस की चौथी सूची में 46 उम्मीदवारों के नाम



के उम्मीदवारों के नाम घोषित किए हैं उनमें असम, अंडमान, छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, मणिपुर, मिजोरम, राजस्थान, तमिलनाडु, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड तथा पश्चिम बंगाल शामिल है।

कांग्रेस ने उधमपुर से हाल ही में पार्टी में शामिल हुए चौधरी लाल सिंह को टिकट दिया है जब के मध्य प्रदेश के राजगढ़ से वरिष्ठ नेता दिग्विजय सिंह, रतलाम से कांतिलाल भूरिया, तमिलनाडु के कुरुर से एस ज्योति मणि, शिव गंगा से ए कार्तिक पी चिदंबरम, सहारनपुर से इमरान मसूद, अमरोहा से दानिश अली, देवरिया से अखिलेश प्रसाद सिंह, हरिद्वार से वीरेंद्र रावत तथा वाराणसी से अजय राय को मैदान में उतारा है। वाराणसी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का संसदीय क्षेत्र है।

राज्यों के अनुसार सूची इस तरह है

असम : लखीमपुर उदय शंकर हजारीका, अंडमान निकोबार दीप कुलदीप राय शर्मा

जम्मू कश्मीर : उधमपुर से चौधरी लाल सिंह, जम्मू रमन भाटिया

मध्य प्रदेश : सागर गुड्डा बुंदेला रीवा श्रीमती नीलम मिश्रा, शहडोल एसटी फन्डे लाल सिंह मार्को, जबलपुर एडवोकेट दिनेश यादव, बालाघाट सम्राट सारस्वत होशंगाबाद संजय शर्मा, भोपाल अरुण श्रीवास्तव, राजगढ़ दिग्विजय सिंह, उज्जैन (सु) महेश परमार, मंदसौर दिलीप सिंह गुर्जर रतलाम (सु) कांतिलाल भूरिया, इंदौर अक्षय बाम।

महाराष्ट्र : रामटेक (सु) रश्मि श्याम कुमार बर्वे, नागपुर से विकास ठाकुर,

भंडारा गोदिया प्रशांत यादव, रा पाडोले गडचिरोली से नामदेव दसानम, किरसम मणिपुर भीतरी से एके अकोईजम, मणिपुर बाहरी (एसटीसी) एके एस अर्धुर।

राजस्थान : जयपुर ग्रामीण से अनिल चोपड़ा, करौली धौलपुर (सुरक्षित) से भजनलाल जाटव, नागौर से (आरएलपी के लिए छोड़ी)।

तमिलनाडु : त्रिवल्लूर (एससी) से शशिकांत सेथिल, कृष्णागिरी से के गोपीनाथ, करूर से एस ज्योतिमणि, गुड्डुलूर से डॉ. एमके विष्णु प्रसाद, शिवगंगा से कार्ति पी चिदम्बरम, विरदुनगर से बी मणिक्कम टैगोर,

कन्याकुमारी से विजय वंसत।

उत्तर प्रदेश : सहारनपुर से इमरान मसूद, अमरोहा से दानिश अली, पतेहपुर सीकरी से रामनाथ सिकरवार, कानुपर से अशोक मिश्रा, झांसी से प्रदीप जैन, आदित्य, बाराबंकी (सु) तनुज पुनिया, देवरिया से अखिलेश प्रताप सिंह, बांसगांव (सु) सदन प्रसाद, वाराणसी अजय राय।

उत्तराखंड : नैनीताल उधमसिंह, नगर से प्रकाश जोशी, हरिद्वार से विरेन्द्र रावत।

पश्चिम बंगाल : कूच बिहार (एससी) से श्रीमती पिया राय चौधरी।

रेवती रमण सिंह के कांग्रेस में शामिल होने की सुगबुगाहट

■ 8 बार के विधायक, 2 बार सांसद और 1 बार के राज्यसभा सदस्य रह चुके हैं

प्रयागराज। प्रयागराज के करछना विधानसभा से आठ बार के विधायक और इलाहाबाद लोकसभा क्षेत्र से दो बार सांसद और एक बार के राज्यसभा सदस्य रह चुके कुंवर रेवती रमण सिंह की शनिवार को कांग्रेस के दो नेताओं से हुई औपचारिक मुलाकात को लेकर राजनीतिक गलियारे में उनके कांग्रेस में शामिल होने की चर्चाओं का बाजार गर्म है।

सूत्रों ने बताया कि सिंह पीजीआई में उपचार करा रहे हैं। आज उनसे कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव और उत्तर प्रदेश के प्रभारी अविनाश पाण्डेय और कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने अस्पताल पहुंचकर औपचारिक मुलाकात कर उनका कुशल क्षेम पूछा। चुनावी दौर में इस मुलाकात के कोई राजनीतिक निहितार्थ भी हैं या नहीं यह भविष्य के गर्त में छिपा है। सूत्रों ने बताया कि दोनों की मुलाकात से राजनीतिक गलियारे में सुगबुगाहट तेज हो गयी है। कयास लगाए जा रहे हैं श्री सिंह कांग्रेस से हाथ मिला सकते हैं,

इसमें कोई आश्चर्य वाली बात नहीं है। कांग्रेस भी 1984 के बाद इस सीट से जीत के स्वाद के लिए तरस रही है और सिंह भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को कड़ी टक्कर देने में सक्षम है।

गलियारों में यह भी चर्चा

राजनीतिक गलियारों में यह भी चर्चा है कि पिछले दिनों समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव यहां आए थे लेकिन उन्होंने अपने वरिष्ठ और कद्दवर नेता से मुलाकात करना उचित नहीं समझा जिससे दोनों के बीच बढ़ती दूरियां और कांग्रेस नेताओं से मुलाकात को एक अच्छा शगुन बता रहे हैं। फूलपुर की सीट गठबंधन में सपा के पाले में चली गयी है और कांग्रेस के पास प्रयागराज (इलाहाबाद) संसदीय सीट है जिसके लिए उसे जितना प्रत्याशी की तलाश है। अभी तक फूलपुर और प्रयागराज संसदीय सीट पर किसी भी दल ने अपने प्रत्याशियों के पते नहीं खोले हैं। सभी एक दूसरे के प्रत्याशियों के बाद अपने जिताने प्रत्याशी के नाम की घोषणा करना चाहते हैं।

दिमाजों के लिए खुले रहते हैं तमाम राजनीतिक दलों के दरवाजे

चुनाव के दौरान दिग्गज नेताओं के लिए तमाम राजनीतिक दलों के दरवाजे खुले रहते हैं। पार्टियां कद्दवर नेता को अपनी पार्टी को जिताने मानते हुए टिकट देना पसंद करती हैं।

सिंह करछना विधानसभा से आठ बार के विधायक और इलाहाबाद लोकसभा क्षेत्र से दो बार सांसद और एक बार के राज्यसभा सदस्य रह चुके हैं। उन्होंने कहा कि यदि कांग्रेस सिंह से हाथ मिलाती है तो 2024 लोकसभा चुनाव में वह भारतीय जनता पार्टी को कड़ा टक्कर दे सकते हैं। श्री सिंह की अभी तक की राजनीतिक पकड़ उनकी जनता में मजबूती को दर्शाती है। वह इलाहाबाद सीट से 2004 और दो 2009 में सपा के मजबूत प्रत्याशी थे, और उन्होंने दोनो बार यह सीट जीतकर सपा को दे चुके हैं। वर्ष 1984 के बाद यह सीट कांग्रेस यहां से जीत के लिए तरस रही है। फूलपुर और इलाहाबाद सीट पर भाजपा का कब्जा है।

हिमाचल में 3 विधायकों ने सौंपा ‘इस्तीफा’ और भी लाइन में

शिमला। हिमाचल प्रदेश के तीन निर्दलीय विधायकों 'होशियार सिंह, केएल ठाकुर और आशीष शर्मा ने विधानसभा की सदस्यता से इस्तीफा दे दिया है। भारतीय जनता पार्टी के नेताओं के साथ मिलकर इन विधायकों ने अपना इस्तीफा विधानसभा अध्यक्ष कुलदीप सिंह पठनिया को उन के शिमला स्थित आवास पर जाकर सौंपा।

अब संभावना पूरी है कि ये तीनों भाजपा में शामिल होकर फिर से भाजपा टिकट पर चुनाव लड़ें और कांग्रेस सरकार की मुसीबतें बढ़ा दें। हालात अब ये हैं कि 68 की हिमाचल विधनसभा में छह बागी कांग्रेस विधायकों को बाहर निकाल दिया और तीन निर्दलीय भी छिटककर इस्तीफा दे चुके हैं। ऐसे में अब मात्र 59 कि विधानसभा रह गई है। सूत्र बताते हैं कि अभी और भी विधायक इस्तीफा दे सकते हैं। बगावत मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू के खिलाफ है।

आरोप है कि सिर्फ मित्रों की सरकार चल रही है और चुने हुए विधायकों को ना सम्मान मिल रहा है न कार्यकर्ताओं को। अब संकट के इस समय में सरकार कितने दिन और चलती है सबकी निगाहें टिकी है। इस बीच चुनाव आयोग ने विधानसभा उपचुनावों का शेड्यूल लोकसभा चुनावों के साथ अभी छह सीटों पर जारी किया था लेकिन अब नौ सीटों पर उपचुनाव तय माना जा रहा है।

यूपी का नंबर एक सीट...

- सहारनपुर से कांग्रेस ने इमरान मसूद को बनाया उम्मीदवार
- भाजपा ने उम्मीदवार की घोषणा नहीं की है, बसपा ने जिला पंचायत सदस्य माजीद अली को उतारा

दिलचस्प पहलु ये है..

सहारनपुर। लोकसभा की नंबर एक सीट से कांग्रेस ने शनिवार को मशहूर सिंघासी घराणे के इमरान मसूद को अपना उम्मीदवार घोषित कर दिया है। मसूद ने यूनीवातां को बताया कि उन्हें सहारनपुर सीट से इंडिया समूह के उम्मीदवार के तौर पर पार्टी ने टिकट दिया है। इस सीट से भाजपा ने अपने उम्मीदवार की घोषणा नहीं की है, जबकि बहुजन समाज पार्टी जिला पंचायत सदस्य माजीद अली को अपना उम्मीदवार घोषित कर चुकी है।

दिलचस्प यह है कि मौजूदा बसपा सांसद इस बार के चुनाव में मैदान में नहीं उतरे हैं। उन्होंने 2019 के लोकसभा चुनाव में भाजपा उम्मीदवार राघव लखनपाल शर्मा को 22 हजार से भी ज्यादा वोटों से पराजित किया था। इमरान मसूद इससे पहले सपा, बसपा, कांग्रेस आदि दलों में रह चुके हैं और इन दलों से चुनाव भी लड़ चुके हैं। इमरान मसूद के पिता राशिद मसूद गंगोह पालिका के चेयरमैन रह चुके हैं। उनके जुड़वा भाई नौमान मसूद भी गंगोह पालिका के चेयरमैन रह चुके हैं। उनके चाचा काजी रशीद मसूद पांच बार सहारनपुर लोकसभा सीट से सांसद रह चुके हैं और राज्यसभा के सदस्य भी रहे हैं।

1987 में राजनीति इमरान

इमरान मसूद ने 1987 में राजनीति में प्रवेश किया था। 2001 में उन्होंने सहारनपुर नगर

दिलचस्प यह है कि इमरान मसूद के चाचा राशिद मसूद का समर्थन भी जगदीश राणा के साथ था। उस चुनावी जीत ने इमरान मसूद का कद सहारनपुर की सिंघासत में इतना ऊंचा कर दिया कि उनके दिग्गज राजनेता चाचा राशिद मसूद की चमक भी फीकी पड़ गई। मसूद ने 2012 और 2017 के विधानसभा चुनाव नक़्क़ुड सीट से लड़े। 2012 में उन्हें कड़े संघर्ष में बसपा के डा. धर्मसिंह सैनी ने मामूली वोटों के अंतर से पराजित किया। इसी बीच उन्होंने 2014 का लोकसभा चुनाव सहारनपुर सीट से कांग्रेस के टिकट पर लड़ा। उस चुनाव के दौरान इमरान मसूद के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ विवादित बयान देकर चर्चा में आये, मगर इसका नुकसान उन्हें चुनाव हार कर उठाना पड़ा। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने उन्हें विधानसभा का टिकट भी नहीं दिया। कुछ माह बाद वह बसपा में मायावती के हाथों पर सवार हो गए। उन्होंने कुछ माह पूर्व सहारनपुर के नगर निगम चुनावों में अपनी भाभी के नगर निगम अध्यक्ष पद का चुनाव लड़ाया जहां उनका रास्ता अखिलेश यादव ने विधायक आशु मलिक के छोटे भाई को चुनाव में उतारकर रोक दिया और भाजपा प्रतिकूल माहौल के बावजूद अपने उम्मीदवार डा. अजय सिंह को चुनाव जितवाने में सफल हो गई।

पालिका के अध्यक्ष पद का चुनाव लड़ा पर हार गए। 2006 में उन्होंने फिर से सहारनपुर नगर पालिका के अध्यक्ष पद का चुनाव लड़ा और पालिकाध्यक्ष चुने गए। इसी पद पर रहते हुए उन्होंने 2007 के विधानसभा चुनावों में सहारनपुर की बेहत विधानसभा सीट से निर्दलीय चुनाव लड़ा और मुख्यमंत्री मुलायम सिंह सरकार में काबिना मंत्री जगदीश राणा को बतौर निर्दलीय चुनाव में पराजित कर दिया।

तब जगदीश राणा सपा के उम्मीदवार थे और उनके चुनाव प्रचार में मुलायम सिंह यादव भी सहारनपुर आए थे।

दूसरी बार कांग्रेस में शामिल

बसपा में भी इमरान मसूद ज्यादा नहीं टिके और सात अक्टूबर 2023 को दूसरी बार कांग्रेस में शामिल हो गए। कांग्रेस में उनके रिश्ते राहुल गांधी और प्रियंका गांधी के करीबी और विश्वास योग्य है। इस बार वे कांग्रेस उम्मीदवार बनाए गए हैं और उन्हें सपा का समर्थन भी प्राप्त है। हालांकि अखिलेश यादव इस सीट से बसपा के नाराज सांसद फज़लुलहमान कुरैशी को चुनाव लड़ाना चाहते थे लेकिन कांग्रेस हाईकमान की जिद्द के आगे अखिलेश यादव की एक ना चली।

केंद्रीय मंत्री समेत तीन सांसदों का कटा टिकट, सभी 17 सीटों पर नामों का ऐलान

पटना: बिहार के लिए बीजेपी ने उम्मीदवारों की लिस्ट जारी कर दी। इसमें लिस्ट में तीन सांसदों का टिकट कट गया है। बक्सर से अश्विनी चौबे के बदले मिथलेश तिवारी, मुजफ्फरपुर से अजय निषाद के बदले राजभूषण निषाद और सासाराम से छेदी पासवान के बदले शिवेश राम को टिकट दिया गया है। 2024 के रण में बीजेपी ने लोकसभा की 111 सीटों पर उम्मीदवारों के नामों का ऐलान किया। यूपी, बिहार, गुजरात समेत कई राज्यों में उम्मीदवारों के नाम शामिल हैं। बीजेपी की ओर से ये 5वीं लिस्ट जारी की गई है। पश्चिम चंपारण- डॉ. संजय जयसवाल पूर्वी चंपारण- राधा मोहन सिंह मधुबनी- अशोक कुमार यादव अररिया- प्रदीप कुमार सिंह दरभंगा- गोपाल जी ठाकुर मुजफ्फरपुर- राजभूषण निषाद महाराजगंज- जनार्दन सिंह सिंगीवाल सारण- राजीव प्रताप रूडी उजियारपुर- नित्यानंद राय वेगुसराय- गिरिराज सिंह पटना साहिब- रविशंकर प्रसाद पाटलिपुत्र- रामकृपाल यादव आरा- आरं के सिंह बक्सर- मिथिलेश तिवारी सासाराम- शिवेश राम औरंगाबाद- सुशील कुमार सिंह नवादा- विवेक ठाकुर

गुजरात में भाजपा के दो उम्मीदवार चुनाव लड़ने के इच्छुक नहीं

अहमदाबाद। गुजरात में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के दो उम्मीदवार निजी कारणों से लोकसभा चुनाव 2024 लड़ने के इच्छुक नहीं हैं।

राज्य के वडोदा सीट से सांसद रंजनबेन धनंजय भट्ट ने एक्स पर लिखा है कि वह अपने व्यक्तिगत कारणों से लोकसभा चुनाव 2024 लड़ने की इच्छुक नहीं हैं। इसी प्रकार साबरकांठ से पार्टी के उम्मीदवार भीखाजी ठाकोर ने भी सोशल मीडिया इंस्टाग्राम पर पोस्ट कर लिखा है कि वह अपने व्यक्तिगत कारणों की वजह से साबरकांठा लोकसभा चुनाव 2024 नहीं लड़ना चाहते। भट्ट और ठाकोर के नाम पार्टी द्वारा लोकसभा चुनावों के गुजरात में भाजपा के घोषित

जेडीयू की 16 उम्मीदवारों की लिस्ट में एक मुस्लिम चेहरा

पटना: बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की पार्टी जनता दल यूनाइटेड (जेडीयू) ने लोकसभा चुनाव के लिए रविवार (24 मार्च) को 16 उम्मीदवारों की लिस्ट जारी की। एनडीए से सीट समझौते के तहत बिहार की 40 सीटों में जेडीयू 16 सीटों पर चुनाव लड़ रही है। जेडीयू की लिस्ट में कई दिग्गज नेताओं का नाम शामिल है। पार्टी ने एक मुस्लिम चेहरा मुजाहिद आलम को भी टिकट दिया है। उन्हें किशनगंज से उम्मीदवार बनाया गया है। 2019 के लोकसभा चुनाव में जेडीयू ने किशनगंज सीट पर महमूद अशरफ को टिकट दिया था और उन्हें हार का सामना करना पड़ा था। मुस्लिम बहुल इस सीट पर कांग्रेस के डॉ. जावेद आजाद ने जीत दर्ज की थी। असदुद्दीन ओवैसी की पार्टी एआईएमआईएम के प्रदेश

अध्यक्ष अखतरुल ईमान तीसरे स्थान पर रहे थे। इस बार भी एआईएमआईएम ने अखतरुल ईमान को टिकट दिया है। महागठबंधन में सीट समझौते के तहत इस बार भी कांग्रेस को किशनगंज सीट मिल सकती है। जेडीयू की लिस्ट जेडीयू ने वाल्मीकि नगर से सुनील कुमार, शिवहर से लवली आनंद, सीतामढ़ी से देवेश चंद्र ठाकुर, झंझारपुर से रामप्रोत मंडल, सुपौल से दिलेश्वर

नेपाल के विदेश मंत्री चीन के नौ दिवसीय दौरे पर, सत्तारूढ़ दल के नेताओं ने ही कसा तंज

काठमांडू (हि.स.) । नेपाल के विदेश मंत्री नारायण काजी श्रेष्ठ रविवार को नौ दिवसीय यात्रा पर चीन के लिए रवाना हुए। उनकी इतनी लंबी विदेश यात्रा पर सत्तारूढ़ गठबंधन के घटक दल के नेताओं ने ही तंज कसा है। नेपाल के विदेश मंत्रालय की सचिव सेवा लम्साल ने पत्रकारों को बताया कि विदेश मंत्री श्रेष्ठ की चीन में वहां के विदेश मंत्री के अलावा सीपीसी के कई महत्वपूर्ण नेताओं से मुलाकात तय है, जिनमें स्थाई समिति के सात में से एक नेता, चीन के वाइस प्रीमियर, कम से कम तीन प्रदेश के सीपीसी पार्टी सचिव, सीपीसी के विदेश विभाग के मंत्री प्रमुख हैं। वहाँ विदेश मंत्री श्रेष्ठ की इतनी लंबी यात्रा के लिए सीपीएन (यूएमएन) के नेताओं ने तंज कसा है। सीपीएन (यूएमएन) के प्रचार विभाग के प्रमुख विष्णु रिजाल ने एक्स पर विदेश मंत्री के नौ दिन की लंबी यात्रा पर कटाक्ष किया है। उन्होंने लिखा कि विदेश मंत्री को इतनी फुर्सत कैसे हो जाती है कि वो 9-9 दिन की चीन यात्रा के लिए तैयार हो जाते हैं। नेपाल के विदेश मामलों में कई अन्य महत्वपूर्ण विषय हैं जिनसे विदेश मंत्री को स्वरूह होना चाहिए। रूस-यूक्रेन में फंसे नेपाली नागरिकों की सुरक्षित वापसी की चिंता करने के बजाय विदेश मंत्री की 9 दिन की चीन यात्रा पिकनिक जैसी लग रही है। नेपाल सरकार को विदेश मामलों में और कूटनीतिक मामलों में स्केदन्शील होने की आवश्यकता है। सीपीएन (यूएमएन) की ही ग्रुपिंग सभा की पूर्व सदस्य कोमल ओली ने भी विदेश मंत्री की लंबी यात्रा पर अपनी नाजगगी व्यक्त की है। उन्होंने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर लिखा है कि हम विदेश मामलों में कितने गंभीर हैं इस बात का प्रमाण विदेश मंत्री के नौ दिनों की लंबी चीन यात्रा से दिखता है।